हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 89 बेमेतरा, मंगलवार 17 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मुख्यमंत्री साय ने धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ कुनकुरी के छठ घाट में की भगवान सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना

उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छठ महापर्व के पावन अवसर पर अपनी धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित छठ घाट में उगते सूर्यदेव को उषा अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, खुशहाली और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं सहित समस्त प्रदेशवासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने छठ घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं और व्रती महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत





सौभाग्य और प्रसन्नता का अवसर है कि उन्हें अपने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच छठ महापर्व में सम्मिलित होकर भगवान सूर्यदेव की आराधना करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति, अटूट लोक आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम संगम है। यह पर्व हमें जीवन के आधार सूर्य, जल और प्रकृति के प्रति श्रद्धा एवं आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। छठ पूजा में निहित पवित्रता, अनुशासन, संयम, तप और समर्पण की भावना भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं को प्रतिबिंबित करती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कुनकुरी सहित पूरे जशपुर अंचल में छठ महापर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। यहां यह पर्व पूरी श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध परंपराएं ही समाज को एकजुट रखने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से प्रदेश के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि बनी रहे। छत्तीसगढ़ विकास, प्रगति और खुशहाली के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा सभी प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का संचार हो।

वोट चोरी का मामला उठाना सत्ता हासिल करना मकसद नहीं लोकतंत्र बचा रहे यह मकसद : सुखदेव भगत



तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास, प्रथम जशपुर आगमन पर उमड़ी कार्यकर्ताओं की भीड़

जशपुरनगर। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी और झारखंड के सांसद राष्ट्रीय प्रवक्ता सुखदेव भगत अपने तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर सोमवार को जशपुर पहुंचे। प्रदेश के सह प्रभारी जरित लैतफलांग, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, विधायक उमेश पटेल, मोहन मरकाम के साथ ही जिलाध्यक्ष यूडी मिंज, पूर्व विधायक विनय भगत के साथ ही बड़ी संख्या में नेता उपस्थित थे। अपने प्रथम जशपुर प्रवास के दौरान प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत ने जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, हम अपने शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वोट चोरी के खिलाफ सदन से सड़क तक संघर्ष कर रहे हैं और लगातार करते रहेंगे। उन्होंने वोट चोरी को लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा, हम बराबरी के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा, वोट चोरी का मामला उठाने का मकसद सत्ता हासिल करना नहीं है। हमारा मकसद है कि लोकतंत्र की आत्मा बची रहे। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष हमारे नेता राहुल गांधी ने शुरू से वोट चोरी होने की बात कही और उसे सबूत के साथ प्रूफ भी किया है। यह मुख्य चुनाव आयुक्त की मिली भगत से किए जाने प्रमाण भी सामने आ चुका है। हमारी लड़ाई वोट चोरी को लेकर तबतक चलेगी जबतक इसका परिणाम ना जाए। उन्होंने यह भी बताया कि लोकतंत्र में बराबरी का अधिकार सभी को दिया गया है। इस बराबरी के अधिकार के लिए हम लड़ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत ने कहा, भाजपा सरकार बिरसामुंडा का आदर सिर्फ तस्वीरों तक करती नजर आती है। हकीकत मायनों में वे आदिवासियों पर प्रहार कर रहे हैं। वे फूट डालो शासन करो की नीति पर चल रहे हैं। हमारा प्रयास जोड़ने का है। उन्होंने रविवार को धरमजयगढ़ में बिरसामुंडा जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन का नहीं पहुंच पाने के मामले पर कहा, जब मुख्यमंत्री रायपुर से जशपुर पहुंच सकते हैं तो नीतिन नबीन धरमजयगढ़ क्यों नहीं पहुंच सकते? कार्यक्रम को असफल होता देखकर नीतिन नबीन नहीं पहुंचे। उन्होंने कहा, आदिवासियों का आदर गांवों में बसता है, खेतों में बसता है और उनके जीवन शैली में बसता है। लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के संकल्प के साथ कांग्रेस पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूती देने के उद्देश्य से मैदान पर उतर चुकी है। इस संदर्भ में जशपुर में कांग्रेस के नेता जुटे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण जनआंदोलन है।

राधाकृष्णन का विधायकों से लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान



नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने विधायकों से लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया है। राधाकृष्णन ने 17वीं ओडिशा विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने के लिए सकारात्मक वाद-विवाद, विचारपूर्ण चर्चा और रचनात्मक सहयोग जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतना जनसेवा की शुरुआत है और जनता का सम्मान केवल सेवा से अर्जित किया जा सकता है। विधानसभा में उठाया गया प्रत्येक प्रश्न और पारित प्रत्येक कानून नागरिकों के जीवन में बदलाव ला सकता है। उन्होंने विधायकों से सदन की कार्यवाही सुचारु रखने और जनता तथा संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने विधायकों से प्रश्नकाल और शून्यकाल का प्रभावी इस्तेमाल करने तथा विधायी नियमों, बजटीय प्रक्रियाओं और संसदीय परंपराओं की जानकारी रखने को कहा। उन्होंने विधायी कामकाज में कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के अधिक इस्तेमाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में ओडिशा की प्रगति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने 2036 में राज्य गठन की शताब्दी के मद्देनजर 'विजन ओडिशा 2036' के तहत ओडिशा को विकसित, समृद्ध और समावेशी बनाने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल ब्रज मोहन राम, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाधी, उपाध्यक्ष भवानी शंकर भोई और विधानसभा के सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस: सोशल मीडिया की जिम्मेदारी तय करने के लिए राष्ट्रीय बहस पर बल दिया वैष्णव ने



नयी दिल्ली। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया की सामग्री की जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता पर बल देते हुए सोमवार को यहां कहा कि इस विषय पर सर्वसम्मति से कोई व्यवस्था कायम करने पर बहस होनी चाहिए और समाज को शिकायत का कोई फोरम देने पर विचार होना चाहिए।

वैष्णव ने सवाल किया कि यूट्यूब चैनलों तथा अन्य मंचों पर चलने वाली सामग्री से प्रभावित जनता को शिकायत का 'प्रभावी मंच उपलब्ध' होना चाहिए या नहीं? वह 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' पर भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) द्वारा आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे जिसका विषय था- 'पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी'। प्रेस पर निगाह रखने और पत्रकारिता के मानकों के उन्नयन के लिए संसद के कानून द्वारा 1966 में स्थापित प्रेस परिषद की स्थापना के उपलक्ष्य में प्रेस दिवस मनाया जाता है। सूचना प्रसारण मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया के कार्य-व्यवहार के विषय में पूरी दुनिया में इस समय में गंभीर बहस चल रही है। भारत में भी मीडिया, सरकार, समाज और संसद के स्तर पर इस बारे में चर्चा होनी चाहिए और सोशल मीडिया पर बेलगाम और डीपफेक सामग्री के खिलाफ समाज को सशक्त किया जाना चाहिए। मंत्री ने सोशल मीडिया की सामग्री को लेकर उन डिजिटल प्लेटफार्मों के दायित्व पर भी विचार किये जाने की जरूरत पर बल दिया जिनके माध्यम से सोशल मीडिया की सामग्री आम लोगों तक पहुंचती है।

शाह ने फडणवीस और शिंदे के साथ बंद कमरे में की रणनीतिक बैठक



पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पुणे के एक होटल में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ बंद कमरे में उच्च-स्तरीय बैठक की। इससे पहले रविवार को फडणवीस की शाह से हुई मुलाकात के बाद शिंदे सेनापति बापट रोड स्थित जेडब्ल्यू मैरियट होटल में भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार के साथ बैठक में शामिल होने के लिए शहर पहुंचे। शीर्ष नेतृत्व की इस मुख्य बैठक से पहले भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल, रवींद्र चह्वाण और सांसद ओमराजे निंबालकर सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भी केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की।

सूत्रों ने पुष्टि की कि इसके बाद शाह, फडणवीस, शिंदे और चह्वाण ने बंद कमरे में एक साथ बैठे, हालांकि बैठक के एजेंडे का आधिकारिक विवरण अभी गुप्त रखा गया है। शाह अभी पुणे के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जहां आज उन्हें तीन प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होना है। मंच के पीछे चल रही राजनीतिक हलचल ने महायुति गठबंधन की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, एजेंडे में दो प्रमुख मुद्दे हावी हैं : महाराष्ट्र के कई हिस्सों में सूखे की स्थिति बिगड़ने के साथ ही राज्य सरकार केंद्र से अधिकतम वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। फडणवीस ने रविवार को शाह के साथ अपनी व्यक्तिगत बैठक के दौरान इस संकट का विस्तृत आकलन पहले ही प्रस्तुत कर दिया था और सोमवार के संयुक्त सत्र में केंद्रीय राहत की रूपरेखा को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

यह बैठक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर एक सप्ताह से चल रही अटकलों के बीच हो रही है। एक ऐसा कदम, जो यदि साकार होता है, तो राज्य में बड़े मंत्रिमंडल फेरबदल को जन्म दे सकता है। राकांपा के दोनों खेमों ने हालांकि आधिकारिक तौर पर विलय की बात को खारिज कर दिया है, लेकिन पर्दे के पीछे तेज राजनीतिक गतिविधियां जारी हैं, जिससे सोमवार की महायुति नेतृत्व की यह बैठक सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक निर्णायक क्षण बन गयी है।

चुनाव आयोग ने उच्चतम न्यायालय को बताया - मतदाता सूची में नाम बहाल करने के लिए फॉर्म छह भरने वालों पर नहीं चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए केवल फॉर्म छह जमा करने पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत किसी मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा, भले ही उनके नाम पिछली सूचियों में दर्ज रहे हों। यह स्पष्टीकरण राकेश कुमार सिंह की दायर एक रिट याचिका में चुनाव आयोग की ओर से उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु के 14 नवंबर को दायर एक पूरक हलफ नामे के माध्यम से शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। आयोग ने कहा कि यह स्पष्टीकरण तीन नवंबर को उन आशंकाओं के बाद जारी किया गया था, जिनमें कहा गया था कि जिन मतदाताओं के नाम पिछली मतदाता सूचियों में दर्ज थे, लेकिन मसौदा सूचियों से गायब थे, उन्हें फॉर्म छह जमा करते समय गलत घोषणा करने के आरोप में अभियोजन का सामना करना पड़ सकता है। आयोग ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में फॉर्म छह दाखिल करना अपने आप में गलत घोषणा नहीं माना जाएगा, बशर्ते आवेदक पहले से किसी अन्य संसदीय या विधानसभा क्षेत्र में पंजीकृत न हो और घोषणा कानून के अनुरूप हो।

पीएम मोदी मनीला में गुरुद्वारा खालसा दीवान के पुनर्विकास कार्य समारोह में शामिल होंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को मनीला में 100 वर्ष से अधिक पुराने गुरुद्वारा खालसा दीवान में पुनर्विकास कार्यों की शुरुआत के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री भारत आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मनीला गये हुए हैं। वह स्थानीय समय के अनुसार सुबह इस समारोह में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस दिन को विशेष बताते हुए गुरुद्वारे के आध्यात्मिक महत्व और सिख समुदाय के वैश्विक योगदान का उल्लेख किया है।

मोदी ने कहा, कल, 17 नवंबर, एक अत्यंत विशेष दिन है। मुझे मनीला स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा खालसा दीवान के पुनर्विकास कार्यों के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लेने का सम्मान प्राप्त होगा।



यह गुरुद्वारा एक शताब्दी से भी अधिक पुराना है और अपार आध्यात्मिक महत्त्व का केंद्र है। गुरु साहिबान की शिक्षाओं से प्रेरित होकर, सिख समुदाय ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनायी है। दूसरों की सेवा करने और एक बेहतर विश्व के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाते हुए, सिख समुदाय ने पूरी दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। यह गुरुद्वारा 1929 में मनीला में बसे सिख और पंजाबी समुदाय द्वारा बनाया गया था और यह दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे पुराने सिख गुरुद्वारों में से एक है।

वैष्णव और अवस्थी ने कानपुर-दिल्ली एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

नयी दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने सोमवार को कानपुर-दिल्ली (आनंद विहार) एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रेलवे ने बताया कि 428 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन में आधुनिक एलएचबी श्रेणी के 22 डिब्बे होंगे और यह कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलेगी। यह नयी दैनिक रेल सेवा उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेगी। इससे कानपुर और दिल्ली के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को आवागमन का एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

रेलवे के अनुसार नयी रेल सेवा उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक, चमड़ा उद्योग और शैक्षणिक केंद्रों में शामिल कानपुर को दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल



से सीधे जोड़ेगी। इस रेल संपर्क से दोनों महत्वपूर्ण शहरी केंद्रों के बीच यात्रा करने वाले कारोबारियों, विद्यार्थियों, श्रमिकों और अन्य यात्रियों को सुविधाजनक आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस रेल सेवा से औरैया के औद्योगिक क्षेत्रों को सेवाएं देने वाले फफूंद के यात्रियों को लाभ होगा। इन औद्योगिक क्षेत्रों में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) औरैया तथा गेल पाता शामिल हैं। इसके अलावा इससे कृषि के महत्वपूर्ण केंद्र इटावा और कांच उद्योग के लिए प्रसिद्ध फिरोजाबाद क्षेत्र से संपर्क उपलब्ध कराने वाले टुंडला के यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।

यह ट्रेन हाथरस को भी जोड़ेगी, जो हींग प्रसंस्करण, पीतल के सामान और कृषि आधारित उद्योगों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा यह ताला उद्योग के महत्वपूर्ण केंद्र और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के लिए प्रसिद्ध अलीगढ़ को भी जोड़ेगी। साथ ही, चीनी मिट्टी के बर्तनों और मिट्टी के उद्योग के लिए प्रसिद्ध खुर्जा तक रेल संपर्क मजबूत होगा। रेलवे ने बताया कि यह रेल सेवा महत्वपूर्ण माल परिवहन और औद्योगिक केंद्र दादरी तथा एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में से एक गाजियाबाद को जोड़ते हुए दिल्ली के प्रमुख बहु-माध्यम परिवहन केंद्र आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। इस मौके पर वैष्णव ने रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि अनवरगंज और मंधना के बीच 16 किलोमीटर लंबा ऊंचा रेलमार्ग बनने से कानपुर में रेलवे फाटकों पर लगने वाले जाम की दशकों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

राजीव गांधी के निधन के बाद हताश मां को देश के लोगों ने दिया सहारा : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि पहले इंदिरा गांधी और फिर राजीव गांधी की हत्या के बाद उनकी मां सोनिया गांधी का मिलनसार और खुशमिजाज व्यक्तित्व पूरी तरह बदल गया और निराशा की घड़ी में देश के लोगों ने उन्हें बड़ा संबल दिया जो उनके नये जीवन का सहारा बना।

गांधी ने सोमवार को यहां अपनी मां तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी की हाल में प्रकाशित पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' के लोकार्पण समारोह में कहा कि पुस्तक में उनकी मां के उस जीवन की तस्वीर है। उनके माता-पिता एक-दूसरे से बेहद प्रेम करते थे और एक-दूसरे के जीवन का अभिन्न हिस्सा थे लेकिन राजीव गांधी के चले जाने के बाद उनकी मां को एक नयी यात्रा शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि उनकी मां के हताश जीवन में अचानक भारत के लोगों



का एक नया दरवाजा खुला। गांवों में रहने वाले लाखों लोगों ने उन्हें अपनाते हुए कहा कि वह उनकी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह उन 50 या 70 लोगों की बात नहीं कर रहे हैं जो उनसे नफरत करते हैं बल्कि उन लाखों भारतीयों की बात कर रहे हैं जिन्होंने उनकी मां को अपनाया। उन्होंने कहा कि पुस्तक में अपनापन और जुड़ाव का भाव एक पूरा चक्र पूरा करता दिखाई देता है। उन्होंने समारोह में मौजूद पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का उल्लेख करते हुए राजीव गांधी और सोनिया गांधी के बीच एकमात्र झगड़े का किस्सा भी सुनाया।

सूरजपुर में योजनाओं की समीक्षा : कलेक्टर रेना जमील ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

पीएमओ पोर्टल के आवेदनों का प्राथमिकता से होगा निराकरण, शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और हाथी मानव द्वंद्व रोकने पर विशेष जोर



सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों में संचालित शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आम जनता की समस्याओं और शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से पीएमओ पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने को कहा।बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए टेलीमेडिसिन, एनसीडी स्क्रीनिंग, डायबिटीज उपचार एवं फॉलोअप तथा सर्वाइकल और ओरल कैंसर की जांच एवं उपचार की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने और नेटवर्क की समस्या वाले क्षेत्रों में शिविर लगाकर कार्ड बनाने के निर्देश दिए। वय वंदन कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को मैदानी निरीक्षण करने को कहा। इसके अलावा एचपीवी टीकाकरण, नियमित टीकाकरण और टीबी मुक्त भारत अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए।

शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही पर होगी कार्रवाई-शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्कूलों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों की पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारने, समय पर पाठ्यक्रम पूरा कराने और परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। विद्यार्थियों का नियमित टेस्ट लेने और उसकी मैदानी स्तर पर निगरानी करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को दिए। साथ ही परीक्षा साथी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यार्थियों को बेहतर नोट्स और वीडियो लेक्चर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।बैठक में सुरक्षित बाल ग्राम कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। चाइल्ड राइट एसोसिएट गौरव नंदी ने पंचायत स्तर पर बाल अधिकारों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और बाल सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों की जानकारी दी।

हाथी मानव द्वंद्व रोकने के लिए निगरानी के निर्देश-कलेक्टर ने जिले में मानव-हाथी द्वंद्व की स्थिति पर चिंता जताते हुए हाथियों की नियमित निगरानी और जनसुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलों, सड़कों, यातायात व्यवस्था और निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा। इसके अलावा पीएम सूर्यघर योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की जानकारी ली। धान खरीदी की समीक्षा करते हुए उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा, सुचारू खरीदी और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आदरणीय पत्रकार महोदय जी बेमेतरा, प्रांतीय शिक्षा प्रकोष्ठ में डॉ. गोकुल बंजारे बने सक्रिय सदस्य





मूक पत्रिका

बेमेतरा। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के तत्वावधान में दो दिवसीय आवासीय शिक्षा संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था और हमारा सामाजिक दायित्व पर आधारित सतनाम धर्मशाला मड़वा गिरौदपुरी धाम जिला बलौदा बाजार में आयोजित कर प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें बेमेतरा जिला अध्यक्ष राजा लाल बंजारे व अन्य पदाधिकारीगण सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद कमलेश जांगड़े जांजगीर चांपा उपस्थित रहीं। अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष एल. एल. कोशले ने की। मुख्य प्रशिक्षक राजेंद्र दिवाकर जी मुंगेली रहे।उन्होंने बताया कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था और हमारा सामाजिक दायित्व तथा सामाजिक संस्कार, रीति नीति, महापुरुषों पर आधारित पाठ्यक्रम, युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने पाठ्यक्रम में शामिल किया जाये।वहीं दूसरे दिवस प्रांतीय शिक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया गया द्य जिसमें डी. एल. डहरिया बिलासपुर अध्यक्ष, बेमेतरा के इंडियन पब्लिक स्कूल संचालक रामकुमार भारती को उपाध्यक्ष व डॉ. गोकुल बंजारे ÷चंदन÷ को प्रांतीय शिक्षा प्रकोष्ठ सक्रिय सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर सेवक राम बांधे ÷बसेरा÷ डॉ. स्वामी राम बंजारे ÷सरल ÷डॉ. मंगत रविंद्र, रामकुमार भारती, डॉ. एस. एल. निराला, दाऊ भुवन दास जांगड़े, राकेश नारायण बंजारे, महासचिव मोहन बंजारे, प्रेमदास दोहरे, लखन लाल टोन्डे, चोवाराम मधुकर, विजय डोरे, हिराऊ कुमार जांगड़े सहित अनेक साहित्यकार, पत्रकार व शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

रिसाली में छठ महापर्व की धूम, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने दिया संध्या अर्घ्य

मूक पत्रिका



रिसाली। छठ पर्व के शुभ अवसर पर नगर निगम रिसाली, मरौदा नेवई में श्रद्धा और आस्था का महापर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छठ पूजा के दिन संध्या अर्घ्य के अवसर पर प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सभी कार्यकर्ताओं के साथ पूजा स्थल पहुंचे।इस दौरान उन्होंने सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित कर परिवार, समाज और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा स्थल पर पहुंचकर उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और व्रती महिलाओं से मिलकर सभी को छठ पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री श्री साहू ने कहा कि छठ महापर्व श्रद्धा, आस्था, संयम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने छठी मइया से सभी पर अपनी असीम कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की।पूजा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

23 साल बाद फिर स्टूडेंट बने डुंडेरा स्कूल के 2003 बैच के विद्यार्थी, गुरुजनों का सम्मान कर ताजा कीं पुरानी यादें

2003 में विद्यालय में पदस्थ रहे ये शिक्षक हुए शामिल



मूक पत्रिका

उतई /शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुंडेरा में वर्ष 2003 में अध्ययनरत रहे विद्यार्थियों का पुनर्मिलन समारोह भव्य उत्साह और भावनात्मक माहौल के बीच आयोजित किया गया। 23 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एक मंच पर जुटे पुराने सहपाठियों ने अपने विद्यार्थी जीवन की यादों को फिर से जीवंत कर दिया।समारोह में पहुंचते ही पुराने दोस्तों ने एक-दूसरे को गले लगाकर आत्मीय स्वागत किया। स्कूल की कक्षाएं, खेल का मैदान, शिक्षकों की डांट और बचपन की शरारतों से जुड़ी यादें एक बार फिर ताजा हो गईं। इस दौरान सभी ने अपने जीवन के संघर्ष, अनुभव और उपलब्धियां साझा कीं। ऐसा प्रतीत हुआ मानो समय का पहिया घूमकर सभी को फिर उसी विद्यार्थी जीवन में ले आया हो।कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण गुरुजनों का सम्मान समारोह रहा। पूर्व विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस आत्मीय सम्मान से शिक्षक भी भावुक नजर आए।

उन्होंने अपने शिष्यों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जीवन में मेहनत, ईमानदारी और अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। पूर्व विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।समारोह में तत्कालीन शिक्षक आर.सी. देशलहरे, आर. सिन्हा, जेसीसंजय, एस. कुंडू, जी.सी. कश्यप, एस. मिश्रा, एस. आनंद, जी.एस. साहू, संतोष देशमुख, जी.एल. साहू एवं रमेश यादव उपस्थित रहे।

ये विद्यार्थी रहे प्रमुख रूप से शामिल

सरस्वती टंडन, हेमंत जोशी, सुरेश साहू, मोहन निर्मल, पोसराम साहू, लोकेश देवांगन, इंद्रजीत सोनी सहित 2003 बैच के समस्त पूर्व विद्यार्थी इस यादगार मिलन समारोह में शामिल हुए।यह आयोजन केवल दोस्तों का मिलन नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा, आपसी स्नेह और विद्यालय से जुड़े अटूट रिश्तों को फिर से जीने का यादगार अवसर बन गया।

रिसाली क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे विधायक ललित चंद्राकर

श्रद्धालुओं के साथ की पूजा-अर्चना, लिया आशीर्वाद, कहा - छठी मैया की कृपा से सभी के जीवन में ष्सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे

मूक पत्रिका



*रिसाली/ छठ महापर्व के अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रिसाली निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ पूजा-अर्चना की और उनका स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।विधायक ललित चंद्राकर ने रुआबांधा तालाब, वार्ड 25 मां शीतला तालाब, वीआईपी नगर, हिन्द नगर तालाब, मां कल्याणी शीतला मंदिर तालाब, नेवई भाठा डेम, मैनोमेंट तालाब, मरोदा सेक्टर छठ घाट पहुंचकर छठी मैया का दर्शन किया और व्रतधारी माताओं-बहनों से मिलकर उन्हें छठ महापर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, अनुशासन और समर्पण का महापर्व है। छठी मैया के प्रति लोगों की अटूट आस्था, घाटों पर गूंजते भक्ति गीत और व्रतधारी माताओं-बहनों का समर्पण इस पर्व की दिव्यता को और भी विशेष बना रहा है। उन्होंने कहा कि सूर्य देव और छठी मैया की कृपा से सभी श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे, यही प्रार्थना है। छठ का यह पर्व हमें प्रकृति की पूजा, स्वच्छता और सामाजिक एकता का संदेश देता है।घाटों पर पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधायक का आत्मीय स्वागत किया और क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कृषक उन्नति योजना के नए दिशा-निर्देश जारी, किसानों को बधाई - स्वाधीन जैन

मूक पत्रिका



दल्लीराजहरा छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और खेती की लागत कम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य शासन ने महत्वाकांक्षी 'कृषक उन्नति योजना' के नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस निर्णय का भाजपा नेता स्वाधीन जैन ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।नई व्यवस्था खरीफ 2026 से प्रदेश के सभी जिलों में लागू होगी। इसके तहत खरीफ2026 में बोए गए धान के विपणन वर्ष 2026-27 में मार्कफेड द्वारा उपार्जित धान तथा छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा उपार्जित धान बीज के रकबे पर किसानों को प्रति एकड़ समान आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी।इस प्रावधान से सामान्य धान उत्पादक किसानों के साथ-साथ बीज उत्पादन करने वाले किसानों को भी योजना का लाभ मिलेगा। इससे किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक और कृषि उपकरणों पर होने वाले खर्च में राहत मिलने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी।योजना का उद्देश्य किसानों की खेती संबंधी लागत को कम करना, कृषि उत्पादन को प्रोत्साहित करना और उनकी आय में वृद्धि करना है। इसके साथ ही बीज उत्पादन को बढ़ावा मिलने से राज्य में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीजों की उपलब्धता भी बेहतर होगी।स्वाधीन जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। कृषक उन्नति योजना के नए दिशा-निर्देश किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के अनुरूप विष्णु देव साय सरकार गांव, गरीब और किसान के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह निर्णय प्रदेश के किसानों की समृद्धि और छत्तीसगढ़ को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिरसा मुंडा के गौरव को चिरस्थाई किया - सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा

बेमेतरा में धूमधाम से मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस, दिखी जनजाति संस्कृति, परंपरा और विरासत की झलक

मूक पत्रिका





बेमेतरा- जिला मुख्यालय बेमेतरा के टाउन हॉल सिंघौरी में बीते सोमवार को धरती आबा जनजातीय गौरव दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जनजाति समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, विशिष्ट इतिहास एवं अप्रतिम विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। पूरा टाउन हॉल जनजातीय लोकगीतों, लोकनृत्यों, पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन और आदिवासी परिधानों की छटा से सराबोर हो उठा।

संस्कृति और परंपरा की दिखी मनमोहक झलक-कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक जनजातीय विधि-विधान से हुआ। जनजातीय कलाकारों ने गोंडी, हल्बी, बिंझवारी सहित विभिन्न जनजातीय लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी। मांदर, झांझ की थाप पर कलाकारों ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक झूम उठे। स्कूली बालिकाओं ने जनजाति लोकगीत पर सामुहिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। जनजातीय महिलाओं ने पारंपरिक परिधान, गहने और साज-सज्जा में अपनी संस्कृति की पहचान को जीवंत किया। युवाओं ने अपनी लोककला के माध्यम से बताया कि जनजाति समाज की संस्कृति केवल अतीत नहीं, बल्कि वर्तमान की भी धरोहर है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के गौरव में इतिहास को चिरस्थाई रखने के लिए प्रतिवर्ष 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। सांसद श्रीमती वर्मा ने कहा कि कम उम्र में ही भगवान बिरसा मुंडा ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसा आंदोलन खड़ा किया, जिसने पूरी ब्रिटिश सत्ता को हिला दिया। उनका जीवन त्याग, बलिदान और देशभक्ति का प्रतीक है।

जनजाति समुदाय का भारत भूमि पर सदियों से अधिकार-सांसद श्रीमति वर्मा ने आगे कहा कि जनजाति समुदाय का सदियों से भारत भूमि पर अधिकार रहा है। जनजाति समाज इस देश की मूल धरोहर है। उन्होंने सदैव जल, जंगल, जमीन के संरक्षण के लिए कार्य किया है। प्रकृति की रक्षा करना ही जनजातीय जीवन दर्शन है।

सांस्कृतिक विरासत और परंपरा अतुलनीय-सांसद ने कहा कि जनजाति समुदाय की सांस्कृतिक विरासत और परंपरा अतुलनीय है। पूरे देश में जनजाति समाज की अलग-अलग समृद्ध परंपराएं हैं, लेकिन यह सभी भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित हैं। यही भारत की असली ताकत है - विविधता में एकता।

शोषण के खिलाफ फूंका आजादी का बिगुल-उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी शासन, भय और मौत के विरुद्ध लड़कर, शोषण के खिलाफ लड़ाई लड़कर आजादी का बिगुल फूंका था। उन्होंने आदिवासियों को संगठित किया, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया और उलगुलान का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारियों का उल्लेखनीय योगदान-सांसद श्रीमती वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी जनजाति समुदाय के क्रांतिकारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने बस्तर के महान क्रांतिकारी गेंदसिंह, शहीद वीर नारायण सिंह और गुंडाधूर का उदाहरण देते हुए कहा कि इन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपरा, जल, जंगल, जमीन को बचाने का कार्य किया है। इन वीरों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

बस्तर में नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने का संकल्प-इस अवसर पर सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने सभी लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि बस्तर में नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कठोर कार्रवाई की जा रही है। अब बस्तर में विकास, शांति और विश्वास का नया दौर शुरू हुआ है।

जनजाति समाज के समग्र विकास के लिए कार्य-सांसद श्रीमती वर्मा ने आगे कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा छत्तीसगढ़ में जनजाति समाज के समग्र विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी, आवास, रोजगार और कौशल विकास के क्षेत्र में जनजातीय गांवों में तेजी से काम हो रहा है। अंत में उन्होंने जनजाति समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और समृद्ध संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए सभी से अपना योगदान देने का आह्वान किया।

जनजातीय समाज का इतिहास बलिदान, शौर्य और देशभक्ति का रहा है....विधायक-विधायक साहू ने कहा कि कि जनजातीय समाज का इतिहास बलिदान, शौर्य और देशभक्ति का इतिहास है। स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय वीरों ने अंग्रेजों के खिलाफ जो संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह जैसे महापुरुषों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा जल, जंगल, जमीन और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। यही उनकी असली पहचान है।

भगवान बिरसा मुंडा का संपूर्ण जीवन आदिवासी गौरव के लिए समर्पित रहा....विधायक ईश्वर साह-विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संपूर्ण जीवन आदिवासी गौरव, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा।उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को संगठित किया, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया और जल, जंगल, जमीन की रक्षा का मंत्र दिया।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने आरंग विधानसभा क्षेत्र के चार धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण, मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही राज्य सरकार रू मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

किसानों की सुविधा के लिए टोकन तुहर हाथ ऐप से 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा





मूक पत्रिका

रायपुर, 16 नवंबर 2026/ कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने सोमवार को आरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आरंग, लखौली, रूमतराई एवं अमेठी स्थित धान खरीदी केंद्रों का आज निरीक्षण कर धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने खरीदी केंद्रों में धान लेकर पहुंचे किसानों को शुभकामनाएं दीं और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने धान की तौल व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता, धान की गुणवत्ता एवं नमी परीक्षण सहित अन्य व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। खरीदी केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को सुगमता और पारदर्शिता के साथ अपनी उपज बेचने की सुविधा मिल सके।

मेहनतकश किसानों को उचित मूल्य दिलाने सरकार प्रतिबद्ध- मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों के हित में किए गए वादों को पूरा किया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों की मेहनत का सम्मान करते हुए उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्रदेश में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी। धान खरीदी की अधिकतम सीमा प्रति एकड़ 21 क्विंटल निर्धारित की गई है। इसके साथ ही पात्र किसानों को कृषक उन्नति योजना का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। 'टोकन तुहर हाथ' ऐप के माध्यम से 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध मंत्री श्री साहेब ने कहा कि राज्य सरकार ने धान खरीदी की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए डिजिटल सुविधाओं का विस्तार किया है। किसानों को अब 'टोकन तुहर हाथ' ऐप के माध्यम से 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की सुविधा अनुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को तीन टोकन प्राप्त करने की सुविधा दी गई है। धान की मात्रा प्रति बोरा 40 किलोग्राम निर्धारित की गई है, जबकि धान में नमी की अधिकतम स्वीकार्य सीमा 17 प्रतिशत रखी गई है।मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि किसानों की सुविधा और सम्मान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पंजीकृत किसान बिना किसी परेशानी के अपनी उपज का विक्रय कर सके और शासन की योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त कर सके।

मूक पत्रिकाचक्रवाती तूफान 'अकवान' को लेकर जिले में अलर्ट, 20-21 नवंबर को बारिश की आशंका

किसानों को तैयार धान-मक्का की फसल जल्द समेटने की सलाह, पशुधन की सुरक्षा के लिए भी एडवाइजरी जारी

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। बंगाल की खाड़ी में उठ रहे चक्रवाती तूफान 'अकवान' का असर बीजापुर जिले में भी देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान से मिली जानकारी अनुसार 20 और 21 नवंबर को जिले में बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसे देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों और पशुपालकों के लिए सतर्कता संबंधी सलाह जारी की है। विभाग ने किसानों से तैयार खरीफ फसल की कटाई जल्द पूरी करने और कटी हुई उपज को बारिश से बचाने के इंतजाम करने कहा है।कृषि विभाग के अनुसार खेतों में पककर तैयार धान, मक्का और अन्य खरीफ फसलों की कटाई मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर जल्द पूरी कर लें। कटी हुई फसल को खुले में छोड़ने के बजाय सुरक्षित और सूखे स्थानों पर पहुंचाएं। यदि किसी कारण से उपज को गोदाम या घर तक ले जाना संभव नहीं हो तो खेत में ऊंचे स्थान पर एकत्रित कर तिरपाल या प्लास्टिक शीट से अच्छी तरह ढंककर रखें।

खेतों में पानी निकासी की व्यवस्था करें

विभाग ने किसानों को खेतों में बारिश के पानी की निकासी के इंतजाम करने की सलाह दी है, ताकि जलभराव और नमी के कारण फसल खराब होने की आशंका कम हो सके। विशेषकर धान उत्पादक किसान अपनी उपज के सुरक्षित भंडारण पर ध्यान दें।वहीं संभावित तेज हवाओं और बारिश को देखते हुए पशुपालकों से मवेशियों और मुर्गियों को खुले में नहीं छोड़ने की अपील की गई है। उन्हें मजबूत और सुरक्षित शेड में रखने की सलाह दी गई है। उप संचालक कृषि ने किसानों से आगामी दिनों के मौसम पूर्वानुमान पर नजर रखने और समय रहते जरूरी सावधानियां बरतने कहा है।

नया बस स्टैंड में अंबेडकर प्रतिमा के पास हुआ आयोजन, दीप प्रज्वलित कर किया माल्यार्पण

सर्व समाज ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

मूक पत्रिका

बीजापुर। आदिवासी जननायक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर बीजापुर में सर्व समाज ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नया बस स्टैंड स्थित डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास बिरसा मुंडा का छायाचित्र रखकर दीप प्रज्वलित किया गया और माल्यार्पण किया गया। इस दौरान जय बिरसा और जय भीम के नारे लगाए गए।कार्यक्रम में समाज प्रमुखों ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलीहातू गांव में जन्मे बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों और जमींदारों के शोषण के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एकजुट किया।



इसी योगदान के कारण उन्हें धरती आबा के नाम से जाना जाता है। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा ने सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास के खिलाफभी आवाज उठाई थी। उन्होंने नशे से दूर रहने, समाज में एकजुटता बनाए रखने और अन्याय के खिलाफ संगठित होकर संघर्ष करने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं।

विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि हुए शामिल

कार्यक्रम में गोंड समाज से धनेश कुजाम, लक्ष्मण कुंजाम, मुरिया समाज से सतीश मंडावी, परधान समाज से राकेश गिरी, श्रवण सेण्ड्रा, हल्बा समाज से बीएल पुजारी, तेलंगा समाज से मंगल रोटेल, कंवर समाज से कमलेश पैकरा, कुडुक उरांव समाज से जूलियस तिर्की, मुस्लिम समाज से इकबाल खान, मसीह समाज से डेविड कुमार, कुम्हार समाज से योगेश नगपुरी, महार समाज से डी. नागेश्वर सहित केडी झाड़ी, बसंत मामड़ीकर, कैलाश रामटेके, राजकुमार रामटेके, विजय चापड़ी, कैलाश गोनेट, भावेश जुमड़े और शशांक कुमार उपस्थित रहे।

आज भी नौकरी वाला वर पहली प्राथमिकता,दुसरे मे सफल व्यवसाय, राज्य स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न, 500 युवक युवतियों ने अपना परिचय दिया

मूक पत्रिका



पवन बंजारे / मुकपत्रिका - भिलाई /गुरु घासीदास सेवा समिति, सेक्टर-6, भिलाई (पंजीयन क्रमांक-5716) के तत्वावधान में सतनाम भवन सेक्टर 6 में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का उत्साह पूर्वक भव्य आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष बी.एल. कुर्रे समिति के कार्यकारिणी एवं समाज के वरिष्ठ जनों के द्वारा बाबा गुरु घासीदास जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात श्री जवाहर कौशल,एस आर नवरंगे एवं उनके साथियों के द्वारा मंगल भजन की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात अध्यक्ष श्री बी एल कुर्रे ने स्वागत उद्बोधन देते हुए आयोजन के संबंध में विस्तार से प्रकाश डाला और छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों से आए सामाजिक बंधुओ का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान विवाह योग्य युवक-युवतियां मंच पर आकर समाज के समक्ष अपना परिचय देंगे । समिति द्वारा काउंसलिंग की व्यस्था भी किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विवाह के दौरान होने वाले अपव्यय और समय की बर्बादी को रोकना है। इस मंच के माध्यम से एक ही छत के नीचे दोनों पक्षों के परिवार आपस में सीधा संवाद कर अपने बच्चों के लिए योग्य और मनपसंद जीवनसाथी का चयन कर सकेंगे। परिचय सम्मेलन में समाज के युवक युवतियों ने उत्साहपूर्वक मुखर होकर अपना परिचय दिया एवं योग्य जीवन साथी की तलाश की। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आये युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। जीऑनलाइन माध्यम से एवं सम्मलेन स्थल पर लगभग 500 युवक-युवतियों ने पंजीयन कराया है।गुरु घासीदास सेवा समिति के अध्यक्ष बी एल कुर्रे पद्मश्री राधेश्याम बारले,पूर्व अध्यक्ष श्री टी आर कोसरिया,श्री गेंदलाल राय , एस के केसकर,समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला भास्कर सम्माननीय सदस्य श्री एस पी बारले , राजन खुंटेल रायपुर से वरिष्ठ समाज प्रमुख आदरणीय श्री एच एल रात्रे, के के खेलवार, बंशीलाल कुर्रे, प्रगतिशील सतनामी समाज के पदाधिकारी श्रीमती सुशीला सोनवानी, सुश्री अंजली बरमाल, द्रौपदी जोशी, कृष्णा कोसले, वेदप्रकाश महेश्वरी,बबलू त्रिवेंद्र, भिलाई के समाज प्रमुख से रामजी गायकवाड़, भागीरथी बघेल, शांतिलाल मिर्चे, डॉ केशव देशलहरा डॉ श्रीमती सुशीला बंजारे, डॉ श्रीमती जोशी एवं समिति के पदाधिकारियों ने इस गरिमामय आयोजन में मंचशीन अतिथि के रूप में युवक युवतियों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन महासचिव श्री नेतराम गिलहरे सह सचिव श्री राजेंद्र महिलागे एवं टेकराम बंजारे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के कोषाध्यक्ष श्री आर सी देशलहरा सह सचिव श्री दिवाकर गायकवाड़ कार्यकारणी सदस्य सर्व श्री एस आर नवरंगे,रुपेश बारले, त्रिलोचन डहरे, एस एल डहरिया।

चिऊरगांव में नवीन धान उपार्जन केंद्र का शुभारंभ, किसानों को मिलेगी बड़ी सुविधा

पूर्व विधायक डॉ. शूभाऊ कश्यप ने किया उद्घाटन, सरपंच श्रीमती फूलमनी कश्यप की उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम

मूक पत्रिका



पवन कुमार नाग-चिऊरगांव। क्षेत्र के किसानों को धान विक्रय में सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में चिऊरगांव में नवीन धान उपार्जन केंद्र का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. शोभाऊ कश्यप ने विधिवत रूप से नवीन धान उपार्जन केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत चिऊरगांव की सरपंच श्रीमती फूलमनी कश्यप सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।नवीन धान उपार्जन केंद्र शुरू होने से क्षेत्र के किसानों को धान बेचने के लिए दूर-दराज के केंद्रों तक जाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर उपार्जन केंद्र की सुविधा उपलब्ध होने से किसानों का समय और परिवहन खर्च बचेगा। साथ ही धान विक्रय की प्रक्रिया भी पहले की अपेक्षा सुविधाजनक हो सकेगी।इस अवसर पर किसानों की सुविधा, कृषि उपज के उचित मूल्य पर खरीदी तथा उपार्जन व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के महत्व पर चर्चा की गई। नवीन केंद्र का शुभारंभ क्षेत्र के किसानों के लिए महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

बजट का हिसाब दो मासूमो के हक का जवाब दो पोषण के नाम पर खर्च हूई पाई पाई का हिसाब दो

बच्चों के पोषण के नाम पर खर्च हो रही बड़ी राशि, लेकिन जमीनी स्तर पर पर्याप्त खाद्य सामग्री की उपलब्धता पर सवाल; महिला एवं बाल विकास विभाग की निगरानी व्यवस्था कठघरे में

मूक पत्रिका





पवन कुमार नाग-बकावंड। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने और उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं शारीरिक विकास के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। लेकिन बकावंड विकासखंड के कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों से सामने आ रही तस्वीर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विभागीय निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। स्थिति यह है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध खाद्य सामग्री की मात्रा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। केंद्रों में रखी पोषण सामग्री का जायजा लेने के दौरान जब वहां मौजूद कर्मचारियों से पूछा गया कि उपलब्ध सामग्री से पूरे महीने बच्चों को भोजन कैसे उपलब्ध कराया जाएगा, तो बताया गया कि सामने रखी सामग्री से ही पूरे महीने भोजन की व्यवस्था करनी है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या उपलब्ध खाद्य सामग्री बच्चों की निर्धारित पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है?

बजट करोड़ों का, लेकिन बच्चों की थाली का हिसाब कौन लेगा?-बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके लिए खाद्य सामग्री की मात्रा, गुणवत्ता और नियमित वितरण सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। यदि किसी केंद्र में उपलब्ध सामग्री पूरे महीने की जरूरतों के अनुरूप नहीं है, तो इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों तक पहुंच रही है या नहीं, यह जांच का विषय है। आखिर योजनाओं के लिए बजट जारी होने के बावजूद जमीनी स्तर पर ऐसी स्थिति क्यों सामने आ रही है?

निगरानी व्यवस्था पर सवाल, जिम्मेदारी तय करने की मांग-आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण आहार की उपलब्धता, वितरण और गुणवत्ता की नियमित निगरानी करना महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों और सुपरवाइजर की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद यदि केंद्रों में खाद्य सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, तो विभागीय निरीक्षण और मॉनिटरिंग की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इस मामले में यह भी जरूरी है कि संबंधित अधिकारी केंद्रों में उपलब्ध खाद्य सामग्री का भौतिक सत्यापन करें तथा निर्धारित मात्रा और वास्तविक वितरण का मिलान करें। यदि कहीं अनियमितता या लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदारों की जवाबदेही तय कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग- आंगनबाड़ी का खाद्य सामग्री न खाला विभागीय व्यवस्था का पाल, शिकायत के बाद भी कार्रवाई का इंतजार; परियोजना अधिकारी और सुपरवाइजर की जवाबदेही पर सवाल

15 बच्चों के लिए महीनेभर का राशन! आखिर इतनी सामग्री में कैसे भरेगा बच्चों का पेट?



मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग - करपावड सरकार एक ओर बच्चों के कुपोषण को दूर करने और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर बकावंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार की व्यवस्था गंभीर सवालों के घेरे में है। 14 से 15 बच्चों के लिए पूरे एक महीने की खाद्य सामग्री के नाम पर जो राशन सामने आया है, उसे देखकर विभागीय व्यवस्था और निगरानी पर सवाल उठना लाजिमी दिखाई दे रही है। सवाल यह है कि क्या इतनी सामग्री से 15 बच्चों को पूरे महीने पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा सकता है? जब इस संबंध में आंगनबाड़ी केंद्र में सामग्री से ही बच्चों को पूरे एक महीने तक भोजन कराना है। अब सवाल यह है कि आखिर विभाग ने किस आधार पर इतनी सामग्री निर्धारित की? क्या जिम्मेदार जानकारी है कि बच्चों की संख्या के अनुपात में प्रतिदिन कितनी खाद्य सामग्री खर्च हो रही है?

बच्चों के पोषण की जिम्मेदारी या सिर्फ कागजों में करना और सरकारी योजनाओं का संचालन दिखाना नहीं, बल्कि उन्हें नियमित और पर्याप्त पोषण आहार उपलब्ध कराना है। यदि 14 से 15 बच्चों के लिए यही सामग्री पूरे महीने बकावंड विकासखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था को लेकर अब जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की अपेक्षा की जा रही है। प्रशासन को चाहिए कि केंद्रों में पहुंचकर वास्तविक स्थिति का जायजा ले, बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार की मात्रा और गुणवत्ता की जांच कराए तथा यह सुनिश्चित करे कि शासन की योजना का लाभ पात्र बच्चों तक पूरी ईमानदारी से पहुंचे। क्योंकि सवाल सिर्फ खाद्य सामग्री की मात्रा का नहीं, बल्कि उन मासूम बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य का है, जिनके बेहतर पोषण के नाम पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इस मामले को गंभीरता से लेकर व्यवस्था में सुधार करता है या फिर बच्चों की थाली से जुड़े ये सवाल फाइलों में ही दबकर रह जाते हैं।

संपादकीय

मैनहोलो में गिरते बच्चे, हमारे तंत्र की आपराधिक संवेदनहीनता का प्रमाण

खुले नालों और सीवर की बदहाली को लेकर जनता से आए दिन शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन इन्हें हमेशा के लिए दुरुस्त करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होती। राजधानी दिल्ली के रणहौला इलाके में चार साल के मासूम बच्चे का खुले सीवर में गिर जाना और चौबीस घंटे बाद निलोठी के अवजल उपचार संयंत्र से उसका क्षत-विक्षत शव मिलना महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे तंत्र की आपराधिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। जिस उम्र में बच्चे के हाथ में खिलौने होने चाहिए थे, वह अपनी मां के साथ मोहन गार्डन के पार्क की ओर जाते समय खुले गटर में समा गया।नांगली विहार एक्सटेंशन में खेरी बाबा पुल के पास जब एनडीआरएफ, दमकल विभाग और स्थानीय गोताखोर गंदे पानी के तेज बहाव में उस नन्ही जान को तलाश रहे थे, तब स्थानीय लोग केवल उम्मीद और बेबसी के सहारे खड़े थे। आखिरकार जो शव सामने आया, वह संयंत्र की मशीनों में कटकर टुकड़ों में बंटा था।यह दृश्य किसी भी सभ्य समाज और उसकी व्यवस्था की अंतरात्मा को झकझोरने के लिए काफी है। हकीकत यह है कि अक्सर इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं, लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस पर शायद ही कभी ध्यान देते हैं। आखिर इस तरह की तमाम दर्दनाक घटनाओं के लिए कौन जिम्मेदार है?खुले नालों और सीवर की बदहाली को लेकर जनता से आए दिन शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन इन्हें हमेशा के लिए दुरुस्त करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होती। अफसोसनाक है कि बार-बार ऐसी घटनाएं होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन अथवा सरकारी तंत्र लापरवाही से अपनी आंखें मूंदे रखता है। घटनाएं होती रहती हैं और संवेदनशून्य सरकारी तंत्र चुप्पी साधे रहता है।सड़कों पर खुले मैनहोल से लेकर नाले में गिर कर लोगों की मौत की खबरें आती रहती हैं, लेकिन उनसे सबक लेना जरूरी नहीं समझा जाता। सवाल है कि सड़कों पर अगर खुले मैनहोल या नाले मौत को न्योता देते रहते हैं, तो इसे सुरक्षित तरीके से ढकना या घेरा बनाना किसकी जिम्मेदारी है।राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम अन्य शहरों से भी ऐसे दिल दहलाने वाले मामले लगातार सामने आते रहते हैं, लेकिन कहीं कोई जवाबदेही नजर नहीं आती। जब तक इन गंभीर लापरवाहियों के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराकर सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल बना रहेगा।

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है।

(ललित गर्ग)

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?



पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे।

जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की? लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

छोटी-छोटी कोशिशों में छिपी हैं बड़ी संभावनाएं, नए विचारों और रिश्तों के लिए जगह बनाना क्यों जरूरी

(अनंत पद्मनाभन)

किसी साधारण अनुभव में छिपा सवाल हो या सामने मौजूद कोई बड़ी समस्या, दोनों पर सोचने के लिए जिज्ञासा और धैर्य चाहिए। जीवन में जिम्मेदारियां और चिंताएं इतनी बढ़ती हैं कि आसपास की छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना कठिन हो जाता है। हम किसी को प्रोत्साहित करना, उसकी बात सुनना या नया विचार समझना चाहते हैं, लेकिन हमारी अपनी परेशानियां बीच में आ जाती हैं। ऐसे में जरूरत थोड़ी जगह बनाने की होती है। जब मन तनाव और जल्दबाजी से घिरा रहता है, तो हम परिचित रास्तों पर चलना पसंद करते हैं। परिचित रास्ते सुरक्षित लगते हैं। पुरानी धारणाओं से चिपके रहने पर हम कई बार आसपास मौजूद अवसरों को पहचान नहीं पाते।

सवाल यह है कि नई बातों के लिए जगह कैसे बनाई जाए। कविता शुक्ला केवल बारह वर्ष की थीं, जब भारत में अपनी दादी से मिलने के दौरान एक अनुभव ने उनकी जिज्ञासा जगाई। दूषित पानी पीने की आशंका के बाद दादी ने उन्हें मसालों से बना एक पारंपरिक उपाय दिया। कविता जानना चाहती थीं कि यह कैसे काम करता है। उनके प्रयासों से 'फ्रेशपेपर' नामक नवाचार विकसित हुआ, जो फलों और सब्जियों को अधिक समय तक ताजा रखने में मदद करता है। सत्रह वर्ष की उम्र में उन्हें इसका पेटेंट मिला।

इसी तरह, नीदरलैंड के बोयान स्लाट ने किशोरावस्था में समुद्र में फैले प्लास्टिक की समस्या को गंभीरता से लिया। सोलह वर्ष की उम्र में यूनान की एक गोताखोरी यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्र में प्लास्टिक की थैलियां देखीं। इस अनुभव से उनके मन में सवाल उठा कि समुद्र से प्लास्टिक हटाने का कोई बेहतर तरीका भी क्यों नहीं खोजा जा सकता। उन्होंने विचार को आगे बढ़ाया और 2013 में 'द ओशन क्लीनअप' की स्थापना की। इन दोनों यात्राओं की शुरुआत अलग-अलग अनुभवों से हुई। एक ने रोजमर्रा की घटना में सवाल खोजा, तो दूसरे ने सामने दिखाई दे रही समस्या को अनदेखा नहीं किया। हर सवाल किसी खोज तक नहीं पहुंचता, लेकिन सवाल पूछने की आदत हमें नए रास्तों के बारे में सोचने का मौका देती है।

हमारे आसपास भी ऐसे लोग हैं, जिनके मन में कोई विचार होता है, लेकिन उन्हें खुद उस पर भरोसा नहीं होता। कोई विद्यार्थी असफल होकर निराश हो सकता है। कोई सहकर्मी नया काम शुरू करने से हिचकिचा सकता है। कोई व्यक्ति अपने सपने को टाल रहा हो सकता है। ऐसे समय में किसी का यह कहना कि एक बार कोशिश करके देखिए, उसके भीतर विश्वास जगा सकता है। उसे पहले यह महसूस करने की जरूरत होती है कि कोई उसकी बात समझने को तैयार है। इस दिशा में शुरुआत बहुत छोटी हो सकती है। रोज कुछ मिनट किसी की बात बिना बीच में टोके सुनने, नए विचार को तुरंत खारिज करने के बजाय उसके बारे में सवाल पूछने, किसी निराश व्यक्ति को उसकी पिछली कोशिशों की याद दिलाने से समस्याएं भले दूर नहीं होंगी, लेकिन आगे बढ़ने का भरोसा मजबूत हो सकता है। दूसरों के लिए जगह बनाने के साथ अपने भीतर भी नई संभावनाओं के लिए जगह रखना जरूरी है। हम पुराने तरीकों से जुड़े रहते हैं और बदलाव की संभावना पर विचार नहीं करते। कोई विचार असामान्य लग सकता है, लेकिन उसे समझने पर उपयोगी पहलू दिख सकते हैं। इसका अर्थ हर नए सुझाव को स्वीकार करना नहीं है। खुले मन से सुनना और सोच-समझकर निर्णय लेना एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

रिश्तों में भी यही समझ काम आती है। व्यस्तता के कारण परिवार के साथ बातचीत टलती रहती है और पुराने मित्र को फोन करने का समय नहीं मिलता। ऐसी छोटी चूकें धीरे-धीरे दूरी बढ़ा सकती हैं। रिश्ते केवल साथ रहने से मजबूत नहीं होते, उनमें ध्यान, संवाद और सम्मान बहुत जरूरी हैं। किसी अपने से हालचाल पूछना, उसकी चिंता सुनना या उसके साथ समय बिताना संबंधों में नई गरमाहट ला सकता है। हर संभावना को अवसर देना और हर काम को अपने जिम्मे ले लेना अलग बातें हैं। हमारे समय और ऊर्जा की भी सीमाएं हैं। इसलिए यह पहचानना जरूरी है कि कौन-सी चिंताएं ध्यान मांगती हैं और कौन-सी चिंता केवल मानसिक बोझ बढ़ाती है। दूसरों से अपनी तुलना करते रहना, पुरानी शिकायतों को पकड़े रहना और हर अपेक्षा पूरी करने की कोशिश करना हमें थका सकता है। कुछ बातों को स्वीकार करना और कुछ को छोड़ देना भी आगे बढ़ने का हिस्सा है। अपने किसी पुराने सपने की ओर लौटना भी ऐसी ही शुरुआत हो सकती है। जरूरी नहीं कि हम तुरंत बड़ा फैसला लें। अगर लिखना चाहते हैं, तो प्रतिदिन कुछ पंक्तियां लिख सकते हैं। नया कौशल सीखने के लिए थोड़ा समय निकाल सकते हैं। किसी संबंध में दूरी आ गई है, तो बातचीत की पहल कर सकते हैं। छोटे कदम हमें यह समझने में मदद करते हैं कि हमारी इच्छा किस दिशा में ले जा सकती है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांवों तक पहुँच रही है विकास की रोशनी

बदल रहा है छत्तीसगढ़, संवर रहा है आदिवासियों की जिंदगी

धनंजय राठौर
सयुक्त संचालक, जनसंपर्क, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा की नीति के चलते पूरे छत्तीसगढ़ के वनांचलों में बदलाव की बयार बहने लगी है। वहां के वातावरण और जनजीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। विकास एवं निर्माण कार्यों में शासकीय मिशनरी के साथ-साथ आम जनता की भागीदारी बढ़ी है, जिसके चलते छत्तीसगढ़ का हर इलाका तेजी से विकास की मुख्य धारा से जुड़कर तरक्की की राह चल पड़ा है। स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा, पेयजल, विद्युत विकास के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। सड़क विहीन क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा रहा है, इससे शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ आमलोगों तक आसान हो गया है।

पीएम-जनमन पीएम-जनमन (क्कक्रूछ्वह्र-ह्रह्र) का पूरा नाम प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (क्कह्लड्डस्रद्धड्डठ्ठ स्लड्डठ्ठह्लद्दह्र छ्वड्डठ्ठद्धड्डह्लह्वद्व ,स्रद्व1ड्डह्यद्व ह्व4ड्ड4ड्ड स्लड्डद्धड्डड्ड. ड्डद्धड्ड4ड्डड्डठ्ठ) है। यह भारत सरकार की एक विशेष योजना है जिसका उद्देश्य देश के सबसे पिछड़े और संवेदनशील विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों का सामाजिक-आर्थिक विकास करना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। इस योजना का उद्देश्य पक्का और सुरक्षित आवास (प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत), स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, बेहतर शिक्षा और स्कूल/छात्रावास, स्वास्थ्य सेवाएं और मोबाइल मेडिकल यूनिट, बेहतर पोषण (आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए), पक्की सड़कें और दूरसंचार (रोड और टेलीकॉम) कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना, बिना बिजली वाले घरों का विद्युतीकरण, स्थायी आजीविका के अवसर और कौशल विकास (जैसे वन धन केंद्र) का अवसर प्रदान करना है।

छत्तीसगढ़ के घने वनांचलों और दूरदराज बसे गांवों में पक्की सड़क और सिर पर पक्की छत होना कभी एक अकल्पनीय सपने जैसा था। बीमारी के दिनों में मीलों पैदल चलकर अस्पताल पहुँचना एक कठिन चुनौती थी, तो वहीं बिजली, साफ पानी और बेहतर शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी हर परिवार की पहुँच से कोसों दूर थीं। लेकिन आज, प्रधानमंत्री जनमन (क्कक्रूछ्वह्र) योजना के जरिए इन इलाकों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के गोंड, मुरिया, माड़िया, धुरवा, हल्बा, भतरा, दोरला, दंडामी माड़िया, कोरवा, उरांव, कंवर, बिंझवार, मांझी जनजातीय समूह निवासरत हैं, इनमें से बैगा और पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कमार और अबूझमाड़िया जैसे विशेष पिछड़ी जनजाति (क्कस्रड्डञ्ज) समुदायों के घरों तक अब विकास और सम्मान की बयार पहुँच रही है। प्रदेश में इन विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लोगों को लाभ दिलाने हेतु प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के बसाहटों को चिन्हांकित कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित एवं पात्र सभी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

दशकों की उपेक्षा के बाद शासन की सीधी पहुँच: विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (क्कह्लञ्जतह्य) या विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र उत्थान और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। लंबे समय की भौगोलिक और सामाजिक उपेक्षा के बाद, अब शासन की सीधी पहुँच दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय गांवों तक सुनिश्चित की जा रही है। 15 नवंबर को मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस के विशेष अवसर पर इन बदलावों का आकलन करना यह रेखांकित करता है कि कैसे यह पहल जनजातीय समुदायों को बेहतर जीवन और विकास के समान अवसर उपलब्ध करा रही है। इस योजना का मूल उद्देश्य केवल भौतिक बुनियादी ढांचा तैयार करना भर नहीं है, बल्कि दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे रहे परिवारों तक शासन को खुद चलकर पहुँचाना है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवंबर 2023 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धरातल पर इस प्रतिबद्धता के साथ उतारा गया कि देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा छत्तीसगढ़ को इसकी उत्कृष्ट सफलता के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पक्के मकान और सड़कों से सुदृढ़ होती कनेक्टिविटी: विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ के श्री विष्णु देव साय की सरकार प्रतिबद्ध है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर सरकार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी आजीविका के साधनों को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इन जनजाति समूह के लोगों को व्यवसाय और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर समग्र विकास करना है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ में वनांचलों के निवासियों के लिए बड़ा बदलाव आया है। राज्य में विशेष पिछड़ी जनजातियों के 34,691 पक्के मकान स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 24,218 (लगभग 69 प्रतिशत) मकानों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। इससे उन परिवारों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है जो कभी कच्चे या झोपड़ीनुमा घरों में रहने को विवश थे।

गांवों को मुख्यमार्गों और बाजारों से जोड़ने के लिए 2,901 किलोमीटर लंबी सड़कों को मंजूरी दी गई, जिसमें से 1,833 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय आजीविका के रास्ते सुगम हुए हैं। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से जनजातीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं।

बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार: दूरस्थ वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजातीय बस्तियों में सौर ऊर्जा और ऑन-ग्रिड बिजली के माध्यम से रोशनी पहुंचाई जा रही है। छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में टॉवर फीडर और ट्रांसफार्मर स्थापित कर हजारों परिवारों को शत-प्रतिशत बिजली कनेक्शन से जोड़ा गया है। जल जीवन मिशन के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के हजारों घरों तक पाइपलाइन के जरिए शुद्ध और स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है, जिससे उन्हें दूर से पानी लाने या झिरिया का अशुद्ध पानी पीने की मजबूरी से मुक्ति मिल रही है। दुर्गम वनांचलों में बुनियादी सुविधाओं के मोर्चे पर भी अभूतपूर्व काम हुआ है। राज्य में 7,349 परिवारों का ऑफग्रिड विद्युतीकरण शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है। साथ ही, 1,490 लक्षित गांवों में से 940 गांवों में और पेयजल के मामले में 1,425 में से 510 गांवों में शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर लिया गया है।

स्वास्थ्य और पोषण: विशेष पिछड़ी जनजातीयों में आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल की जांच और बचाव के लिए विशेष अभियान चलाया जाता है। विभिन्न आयु वर्ग के लोगों और गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमी दूर करने के लिए आयरन-फोलेट एसिड की अनुपूरक खुराक दी जाती है। स्थानीय स्तर पर पोषण वाटिका और संतुलित आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के परिवारों तक पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता पहुंचाना प्राथमिकता में है। कुपोषण की रोकथाम के लिए बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की उचित देखभाल और संतुलित पूरक पोषण आहार प्रदाय किया जा रहा है। दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट (MMU) संचालित की जा रही हैं जो सीधे बस्तियों तक जाकर स्वास्थ्य सेवाएं और दवाइयां मुहैया कराती हैं। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना और आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे घर-द्वार तक पहुँचाने के लिए 61 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स पूरी तरह सक्रिय हैं। इसके अलावा, स्वीकृत सभी 191 आंगनबाड़ी केंद्र वर्तमान में सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं।

आजीविका और डिजिटल पहुँच:

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs या विशेष पिछड़ी जनजातियों) के क्षेत्रों में आजीविका के पारंपरिक साधनों को आधुनिक डिजिटल कनेक्टिविटी से जोड़कर व्यापक सामाजिक-आर्थिक सुधार किए जा रहे हैं। इन सुदूर और भौगोलिक रूप से अलग-थलग क्षेत्रों में 'डिजिटल समावेशन' के माध्यम से नए अवसर पैदा हो रहे हैं। पारंपरिक रूप से इन जनजातियों की आजीविका मुख्य रूप से कृषि और लघु वन उपज (स्रस्रक्क) जैसे कि शहद, महुआ, तेंदू पत्ता और जड़ी-बूटियों पर निर्भर रही है। सरकार अब इन्हें मुख्यधारा के बाजारों से जोड़ने के लिए कई ठोस कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री जनमन (PM-JANMAN) योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में सैकड़ों वन-धन विकास केंद्र सक्रिय किए गए हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में सक्रिय केंद्रों के माध्यम से हजारों सदस्यों को उद्यमिता और मूल्य संवर्धन (Value Addition) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (PMJVM) के तहत वन उपजों की बिचौलियों पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार द्वारा अधिसूचित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित की जा रही है।



घर पर आसानी से उगाया जा सकता है हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से।

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती है। इसके लिए बस आपको मिटटी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें। बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।



अपने बच्चे को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए करें प्रोत्साहित

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।





घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं। पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।



घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय रखें ध्यान

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ.आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।



संक्षिप्त समाचार

कतर-तुर्किये ने मिलाए हाथ, खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर

इस्तांबुल, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच कतर और तुर्किये ने एक महत्वपूर्ण आपसी रक्षा समझौता किया है। शुक्रवार (स्थानीय समय) को इस्तांबुल में हुई सुप्रीम स्ट्रैटेजिक कमेटी की 12वीं बैठक के दौरान कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस समझौते को औपचारिक रूप दिया। दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती अशांति और तनाव के माहौल में यह समझौता बेहद अहम माना जा रहा है। तुर्किये के निदेशालय ऑफ कम्युनिकेशंस द्वारा जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की, जिसमें खाड़ी में शत्रुता को फिर से शुरू होने से रोकने, संवाद को बढ़ावा देने और शांति स्थापित करने के प्रयास शामिल थे। कतर के अमीरी दीवान के बयान के मुताबिक, यह समझौता इस्तांबुल के डोलमाबाचे पैलेस में हस्ताक्षरित किया गया। नहीं, रक्षा समझौते के अलावा भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई। कतर के अमीर शेख तमीम ने दोहा और अंकारा के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने मौजूदा उपलब्धियों को आगे बढ़ाने और सहयोग के लिए नई प्राथमिकताओं की पहचान करने के महत्व पर बल दिया। राष्ट्रपति एर्दोगन ने भी आर्थिक संबंधों में प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले साल लागू हुए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते ने दोनों देशों को अपने द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य के करीब ला दिया है। ऊर्जा क्षेत्र में भी कतर के साथ साझेदारी का विस्तार और विविधीकरण करने के तुर्किये के प्रयासों पर जोर दिया गया। रक्षा उद्योग में सहयोग भी लगातार बढ़ने की बात कही गई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय विकास पर भी गहन चर्चा की। एर्दोगन ने खाड़ी क्षेत्र में शत्रुता को फिर से शुरू होने से रोकने, संवाद को सुविधाजनक बनाने और शांति स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित पक्षों को राजनयिक माध्यमों से अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया। तुर्किये के निदेशालय ऑफ कम्युनिकेशंस के अनुसार, चर्चा में गाजा पर इजरायल के हमले और क्षेत्र में मानवीय स्थिति, सीरिया में सामान्यीकरण की दिशा में उठाए गए कदम और लीबिया में नवीनतम घटनाक्रम भी शामिल थे। नहीं, यह समझौता तुर्किये के व्यापक क्षेत्रीय रक्षा सहयोग का हिस्सा है। आपसी रक्षा समझौते के अलावा, दोनों देशों ने उपभोक्ता संरक्षण और बाजार निगरानी, शिक्षा, और शांति, सुलह और संघर्ष समाधान में सहयोग को कवर करने वाले समझौतों और समझौता ज्ञापनों का भी आदान-प्रदान किया। सुप्रीम स्ट्रैटेजिक कमेटी के 12वें सत्र का एक संयुक्त विज्ञप्ति भी जारी किया गया। इससे पहले अगस्त में, तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने एक क्षेत्रीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत यदि उनमें से कोई एक देश हमले का शिकार होता है तो अन्य दो उसकी सहायता के लिए आएंगे।

70 मासूमों का सौदागर बेनकाबः ब्रिटेन की अदालत ने भारतीय छात्र को सुनाई 30 साल कैद की सजा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के नॉर्थ-वेस्ट इंग्लैंड से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां चेस्टर क्राउन कोर्ट ने 27 साल के भारतीय छात्र बिलाल काजी को 30 साल की सख्त कैद की सजा सुनाई है। ब्रिटिश अधिकारियों ने आरोपी को एक सीरियल ऑनलाइन ग्रूमर करार दिया है। कोर्ट की सुनवाई में यह बात सामने आई कि आरोपी अपनी असली पहचान छिपाकर खुद को एक ब्रिटिश स्कूली छात्र बताता था और इंटरनेट के जरिए कम उम्र की मासूम बच्चियों को अपना निशाना बनाता था। आरोपी बिलाल काजी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपनी उम्र और पहचान छिपाकर खुद को टीनएज लड़का रीस बताता था, ताकि 10 से 15 साल की मासूम बच्चियां उस पर आसानी से भरोसा कर सकें। ब्रिटिश पुलिस और क्राउन प्रोसीक्यूशन सर्विस (सीपीएस) की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने शातिर तरीके से बच्चियों को अपने प्रेम जाल में फंसाया और उनसे आपत्तिजनक वीडियो तथा तस्वीरें मंगवाकर उनका मानसिक शोषण किया। जब पीड़ितों को यह अहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है और जिस लड़के को वे अपना हमदम समझ रही थीं, वह कोई और है, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आरोपी बिलाल काजी ने उन प्राइवेट तस्वीरों और वीडियोज को आधार बनाकर बच्चियों को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया था।

बांग्लादेश में हिंसा का भयावह चेहरा

2024 से अब तक अल्पसंख्यकों और आम लोगों की सुरक्षा पर डीआरपीडब्ल्यू ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद लोगों के जीवन, सुरक्षा और न्याय पाने के अधिकारों की किस हद तक रक्षा हो पाई है ? ऑस्ट्रेलिया की संस्था 'डेमोक्रेसी, राइट्स एंड परसिक्यूशन वॉच' की एक ताजा रिपोर्ट इसी मुद्दे पर गंभीर सवाल खड़े करती है। इस रिपोर्ट में भीड़ द्वारा की गई हत्याओं , पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों की हिरासत में हुई मौतों, राजनीतिक विचारधारा के आधार पर की गई गिरफ्तारियों तथा धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों का ब्योरा दर्ज किया गया है।

रिपोर्ट का सबसे अहम निष्कर्ष यह है कि पीड़ित चाहे किसी भी राजनीतिक या सामाजिक वर्ग से आते हों, लगभग सभी मामलों में एक स्थिति एक जैसी दिखती है– और वह है न्याय व जवाबदेही की कमी। डीआरपीडब्ल्यू के विश्लेषण के मुताबिक, मामलों की निष्पक्ष जांच न हो पाने और अपराधियों को सजा न मिलने की वजह से हिंसा का यह सिलसिला लगातार जारी है।

रिपोर्ट में 'एन ओ सालिश केंद्र' के आंकड़ों का हवाला दिया गया है, जिसके अनुसार अगस्त 2024 से दिसंबर 2025 के बीच भीड़ द्वारा कम से कम 293 लोगों की हत्या की गई। इसके अलावा, 'ह्यूमन राइट्स सपोर्ट सोसाइटी' ने जनवरी से सितंबर 2026 के बीच 398 घटनाओं में 187 मौतों को दर्ज किया। निगरानी करने वाले संगठनों ने इसी अवधि के लिए अलग-अलग आंकड़े दिए हैं। एएसके ने जनवरी से सितंबर 2026 के बीच भीड़ की हिंसा से 171 मौतें दर्ज कीं। रिपोर्ट में इन



आंकड़ों को अलग-अलग प्रस्तुत किया गया है।

यूके होम ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार, फरवरी से अगस्त 2026 के बीच भीड़ की हिंसा की घटनाओं में कमी आई थी। हालांकि, 'मानवाधिकार संस्कृति फाउंडेशन' ने अक्टूबर में भीड़ द्वारा हत्या के 32 मामले दर्ज किए, जो सितंबर में दर्ज 23 मामलों की तुलना में लगभग 39 प्रतिशत अधिक हैं। डीआरपीडब्ल्यू का कहना है कि चोरी या ईशनिंदा के आरोपों, और साथ ही राजनीतिक जुड़ाव से जुड़े हमले, कानून के शासन और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा करते हैं।

रिपोर्ट में एएसके के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि 2025 में 39 गैर-न्यायिक हत्याएं और जेल में 107 मौतें दर्ज की गईं। डीआरपीडब्ल्यू ने सिफारिश की है कि प्रत्येक मौत के कारणों, इसमें शामिल एजेंसियों की भूमिका और संबंधित मेडिकल व पोस्टमार्टम रिकॉर्ड की स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए। इसमें मांग की गई है कि जांच के नतीजों को सार्वजनिक किया जाए और जहां जिम्मेदारी तय हो, वहां कानूनी कार्रवाई की जाए। धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा इस रिपोर्ट का एक मुख्य विषय है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2024 से जून 2026 के बीच सांप्रदायिक हिंसा की 2,963 घटनाएं दर्ज की गईं। परिषद के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 522 घटनाएं हुईं और 66 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा, डीआरपीडब्ल्यू के अपने रजिस्टर के अनुसार, अगस्त 2024 से अक्टूबर 2026 के बीच अल्पसंख्यक समुदायों के 146 लोगों की हिंसा या हिरासत के दौरान मौत हो गई। रिपोर्ट में ।त्रस्स् के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि 2025 में बलात्कार के 828 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 474 मामलों में पीड़ित बच्चे थे। इसके अलावा, जनवरी से सितंबर 2026 के बीच बलात्कार के 657 और मामले सामने आए। ये आंकड़े बताते हैं कि बच्चों के लिए सुरक्षित घर, शिक्षण संस्थान और सामाजिक माहौल सुनिश्चित करना कितना जरूरी है। रिपोर्ट में बच्चों के लिए दुर्व्यवहार की शिकायत करने हेतु सुरक्षित माध्यम बनाने और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने की सिफारिश की गई है।

पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2024 से सितंबर 2025 के बीच अवामी लीग से जुड़े 44,472 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जीसीडीजी के रजिस्टर के अनुसार, अक्टूबर 2026 तक संसद के 134 पूर्व सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका था। रिपोर्ट में उन आरोपों पर भी चर्चा की गई है, जिनमें बड़ी संख्या में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज करना, मुकदमे से पहले लंबे समय तक हिरासत में रखना, और जमानत मिलने के बाद फिर से गिरफ्तार कर लेना शामिल है। डीआरपीडब्ल्यू का सुझाव है कि कानून लागू करने की प्रक्रिया हर व्यक्ति से जुड़े ठोस सबूतों पर आधारित होनी चाहिए। इस रिपोर्ट में पत्रकारों, शिक्षकों, वकीलों और डॉक्टरों के खिलाफ दर्ज मामलों के आरोप भी शामिल हैं। इसके साथ ही, बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए उन्हें उनकी नौकरियों या शिक्षण संस्थानों से निकाले जाने के मामले भी सामने आए हैं। यह संगठन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पेशेवर स्वतंत्रता और निष्पक्ष कानूनी कार्यवाही की सुरक्षा के महत्व पर जोर देता है।

पश्चिम एशिया में फिर भड़की जंगः हूतियों ने सऊदी अरब पर ड्रोन-मिसाइलों से किया हमला, कई सैनिकों की मौत का दावा

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब के एक प्रमुख हवाई अड्डे और तेल से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले किए हैं। इसके साथ ही यमन और दक्षिणी सऊदी अरब में भी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि एक ड्रोन ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया, जबकि दो अन्य ड्रोन ने शहर के पूर्व में स्थित ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के पंपिंग स्टेशन नंबर-3 पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि दोनों अभियानों में अपने लक्ष्य हासिल किए। एक अलग बयान में सरी ने कहा कि दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी जजान क्षेत्र के अल-तुवाल इलाके में सऊदी सैनिकों को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि इस हमले में दर्जनों सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। इनमें सूडान के नागरिक भी शामिल हैं। सरी ने कहा कि उत्तरी यमन के अल-जौफ प्रांत के पूर्वी हिस्से और दक्षिणी लहज प्रांत के खराज तथा खोर उमैरा इलाकों में भी सऊदी अरब से जुड़े सैनिकों के ठिकानों पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए गए। उन्होंने दावा किया कि मिसाइलें सीधे अपने लक्ष्य पर लगीं और इन हमलों में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। अल-मसीरा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सरी ने यह भी दावा किया कि यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन स्थित रास अबास सैन्य अड्डे पर सऊदी हथियारों के भंडार को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया।

अमेरिका से यूरोप तक इजराइल के खिलाफ नाराजगी; नेतन्याहू की नीतियों से बढ़ा वैश्विक विरोध, गाजा युद्ध से कमजोर हुई छवि

येरूसलम, एजेंसी। जायोनिज्म यानी यहूदी राष्ट्रवाद की विचारधारा इस समय अंतर्राष्ट्रीय आलोचना और इजराइल के भीतर राजनीतिक-सामाजिक मतभेदों का सामना कर रही है। गाजा युद्ध के बाद इजराइल की नीतियों के खिलाफ दुनिया के कई देशों में प्रदर्शन हुए हैं। यह विरोध अब सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व और जायोनिज्म की मौजूदा व्याख्या पर भी सवाल उठा रहा है। इजराइल के सबसे बड़े समर्थक अमेरिका में भी उसे बिना शर्त मदद देने की नीति पर असहमति बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल को समर्थन देने के मुद्दे को मुश्किल बताया। वहीं, सितंबर में 56 अमेरिकी संगठनों ने सांसदों को पत्र लिखकर इजराइल के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चिंता जताई थी। उनका कहना था कि अमेरिकी हित और इजराइल के हित हमेशा एक जैसे नहीं हैं। इजराइल के खिलाफ नाराजगी खेलों में भी दिखाई दे रही



है। आयरलैंड और इजराइल के बीच 2026-27 यूईएफए नेशंस लीग के मुकाबले सुरक्षा कारणों से तटस्थ स्थानों पर कराए गए। एक मैच के दौरान आयरलैंड के खिलाड़ियों ने इजराइल के राष्ट्रगान के समय काली पट्टियां बांधीं और हाथ मिलाने की पारंपरिक रस्म में हिस्सा नहीं लिया। इजराइल की राजनीति में नेतन्याहू के विकल्प के तौर पर गादी आइजेनकोट का नाम चर्चा में है। लेख के मुताबिक, नेतन्याहू का गठबंधन बहुमत हासिल करने में सफल नहीं रहा और उनके विरोधी दलों के बीच नए राजनीतिक समीकरण बनाने की कोशिशें जारी हैं। हालांकि, सरकार गठन और नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है।

इजराइल के भीतर यहूदी समुदायों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक विभाजन भी बहस का विषय है। मिजराही यहूदी मुख्य रूप से अरब और मुस्लिम बहुल देशों से आए परिवारों से जुड़े हैं, जबकि अश्केनाजी समुदाय की जड़ें मध्य और पूर्वी यूरोप में हैं। देश के शुरुआती राजनीतिक नेतृत्व में अश्केनाजी समुदाय का प्रभाव अधिक रहा। गादी आइजेनकोट की मिजराही-मोरक्को पृष्ठभूमि को लेकर एक टीवी प्रस्तोता की कथित नस्लभेदी टिप्पणी ने इस विभाजन को फिर चर्चा में ला दिया है। इजराइल की संसद में अरब सांसदों का समर्थन भी सरकार गठन के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। नेतन्याहू के विरोधी दलों के सामने चुनौती है कि वे आपसी मतभेद दूर कर बहुमत जुटाएं। ऐसे में देश की राजनीति में अरब समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है।

मिसिसिपी नदी में टकराया क्रूज; टैंकर की भीषण टक्कर से पलटी नाव, 32 यात्रियों को पहुंचाया गया अस्पताल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में 129 यात्रियों को ले जा रही एक रिवर क्रूज बोट से टैंकर टकरा गया, जिससे बोट आंशिक रूप से डूब गई। इस घटना के बाद दर्जनों यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया है। न्यू ऑरलियन्स पोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 12:30 बजे मिसिसिपी नदी पर अटलांटिक डामर नाम का टैंकर अमेरिकन हेरिटेज पैडल-बोट से टकरा गया।

क्रूज बोट लगभग दो घंटे पहले ही किनारे पर रुकी थी, ताकि यात्री उससे उतर सकें। न्यू ऑरलियन्स की मेयर हेलेना मोरेनो ने शुक्रवार शाम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अमेरिकन हेरिटेज पर सवार सभी यात्रियों का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि 32 यात्रियों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, लेकिन किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं। उन्होंने कहा कि अटलांटिक डामर टैंकर अनियंत्रित हो गया और क्रूज बोट से जा टकराया।

टक्कर के बाद नदी में गिरे यात्रीः द एसोसिएटेड प्रेस समाचार एजेंसी के अनुसार, घटनास्थल के वीडियो में दिख रहा है कि एक बहुत बड़ा टैंकर पैडल-व्हील क्रूज बोट से टकराता है, जिसके बाद धातु और कांच टूटने की तेज आवाजें सुनाई देती हैं। लाइफ जैकेट पहने एक दर्जन



से ज्यादा लोगों को नदी से निकालकर पास के जहाजों पर पहुंचाया गया। नदी के पानी का तापमान 19 डिग्री सेल्सियस (66 डिग्री फारेनहाइट) था। वहीं, कुछ अन्य लोग बोट की रेलिंग के पास खड़े थे, जबकि बोट पानी में और ज्यादा झुकती जा रही थी।

चश्मदीद ने बताया, 15 मिनट में पलट गई बोटत्र घटना के एक चश्मदीद जेमी होल्फोर्ड ने स्थानीय टेलीविजन को बताया, यह बिल्कुल अवास्तविक था। टक्कर से लेकर बोट के पलटने तक का समय सिर्फ 15 मिनट था। पोर्ट पुलिस, दमकल विभाग, कोस्ट गार्ड और आपातकालीन चिकित्सा कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं। पोर्ट की प्रशासनिक इमारत के अंदर एक ट्राइएज एरिया (घायलों की प्राथमिकता के आधार पर इलाज की जगह) बनाया गया है। नदी में जहाजों की आवाजाही रोक दी गई है। अमेरिकन क्रूज लाइन्स, जो इस बोट का संचालन करती है, ने कहा कि सभी मेहमानों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। कंपनी ने कहा कि वह ÷इस घटना से प्रभावित सभी लोगों को लेकर बेहद चिंतित है।

2015 में बनी थी पांच डेक वाली क्रूज बोटः 2015 में बनी पांच डेक वाली अमेरिकन हेरिटेज बोट में 150 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। यह लुइसियाना और मिसिसिपी के विभिन्न स्थानों की आठ दिवसीय क्रूज यात्रा पूरी कर रही थी। मरीनट्रैफिक ट्रैकर के अनुसार, 160 मीटर (520 फीट) लंबा यह टैंकर मार्शल आइलैंड्स का झंडा लगाए हुए था और न्यू ऑरलियन्स जा रहा था। समुद्री मामलों की पत्रिका मरीन इनसाइट्स के अनुसार, यह जहाज मुख्य रूप से डामर (एस्फाल्ट) और बिटुमेन ढोने का काम करता है। टक्कर किस वजह से हुई और क्या टैंकर पर कोई माल लदा हुआ था, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

ट्रंप की चीन यात्रा में परमाणु हथियारों पर मंथन

जिनपिंग-पुतिन के साथ करेंगे चर्चा, समझौते की उम्मीद कम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते प्रस्तावित एशिया यात्रा के दौरान चीनी और रूसी समकक्षों के साथ परमाणु हथियारों में कटौती पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों को इस त्रिपक्षीय बैठक से किसी समझौते के निकलने की उम्मीद नहीं है। व्हाइट हाउस की सहायक प्रेस सचिव ओलिविया वेल्स ने फिलीपींस और चीन की प्रस्तावित यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चीन की यात्रा के समापन पर यह बैठक होगी। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इस बातचीत का मकसद तुरंत कोई समझौता करना नहीं है, बल्कि यह परमाणु हथियारों के जखीरे को कम करने की दिशा में एक शुरुआती चर्चा है। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, हमें किसी तरह के समझौते की उम्मीद नहीं है।अधिकारी के अनुसार, ट्रंप की योजना चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में ईरान के मुद्दे पर चर्चा करने की है, लेकिन यूक्रेन के इस एजेंडे में शामिल होने की संभावना नहीं है। यूक्रेन को लेकर रूस के साथ बातचीत



अलग से चल रही है। अधिकारी ने आगे बताया कि ट्रंप और पुतिन के बीच कोई द्विपक्षीय बैठक तय नहीं है, हालांकि वे अन्य कार्यक्रमों में एक साथ मौजूद रहेंगे। परमाणु हथियारों पर यह चर्चा ट्रंप के उस दौरे का हिस्सा है, जिसमें क्षेत्रीय कूटनीति के साथ-साथ मौजूदा व्यापार समझौतों को लागू करने के प्रयास भी शामिल हैं। वेल्स ने बताया कि ट्रंप सोमवार सुबह वाशिंगटन से रवाना होंगे और स्थानीय समयानुसार मंगलवार शाम मनीला पहुंचेंगे। फिलीपींस में, उनके क्राड नेताओं से मिलने, थाईलैंड के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने और यूएस-आसियान विशेष शिखर सम्मेलन में भाग लेने का कार्यक्रम है। बुधवार के लिए एक राजकीय स्वागत समारोह, फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक और एक भोज (बैंक्वेट) की योजना है। इसके बाद ट्रम्प एपेक नेताओं के रात्रिभोज के लिए शेन्जेन जाएंगे। वेल्स ने बताया कि गुरुवार को एपेक नेताओं के साथ बैठकें होंगी, और शी जिनपिंग के साथ एक द्विपक्षीय बैठक तथा वर्किंग लंच का कार्यक्रम तय है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर, चीन के साथ चर्चा का मुख्य जोर नए टैरिफ समझौते की घोषणा करने के बजाय मौजूदा समझौतों को लागू करने पर होगा। ट्रेजरी विभाग के अधिकारियों ने उसी दिन बोर्ड ऑफ ट्रेड के माध्यम से अपने चीनी समकक्षों के साथ मुलाकात की थी।

बॉर्डर बंद कर पाकिस्तान ने खुद को ही पहुंचाया नुकसान? अफगानिस्तान ने तलाश किए व्यापार के रास्ते

इस्लामाबाद एजेंसी। दशकों तक, पाकिस्तान समुद्र तक अफगानिस्तान का मुख्य कमर्शियल गेटवे था। अफगान व्यापारी जमीन से घिरे देश में सामान लाने के लिए पाकिस्तानी सड़कों और बंदरगाहों का इस्तेमाल करते थे, जबकि पाकिस्तानी एक्सपोर्टर अफगानिस्तान को खाना, दवाइयां, कंस्ट्रक्शन का सामान, मशीनरी और कंज्यूमर सामान सप्लाई करते थे। बॉर्डर के दोनों तरफ हजारों व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, कस्टम एजेंट और दूसरे बिजनेस इसी ट्रेड के आस-पास अपनी रोज़ी-रोटी चलाते थे। लेकिन यह रिश्ता तेज़ी से बदल रहा है क्योंकि राजनीतिक तनाव, सुरक्षा की चिंताएँ और बार-बार बॉर्डर बंद होने से अफगान व्यापारी ईरान और सेंट्रल एशिया के रास्ते दूसरे रास्तों की ओर जा रहे हैं।

यह बदलाव पाकिस्तान के लिए मायने रखता है क्योंकि अफगानिस्तान उन कुछ पड़ोसी बाज़ारों में से एक था जहां पाकिस्तानी



एक्सपोर्ट लगातार इम्पोर्ट से ज़्यादा था। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के डेटा के आधार पर, पाकिस्तान ने 2020-21 में अफगानिस्तान को 1.02 बिलियन का सामान एक्सपोर्ट किया, जबकि 577.5 मिलियन का इम्पोर्ट किया, जिससे उसे लगभग 441 मिलियन का ट्रेड सरप्लस मिला। 2021-22 में सरप्लस घटकर 66 मिलियन और 2022-23 में 61 मिलियन रह

अरबों डॉलर के कारोबार से मजबूत थे दोनों देशों के रिश्ते

गया, फिर 2023-24 में बढ़कर 526 मिलियन हो गया, क्योंकि पाकिस्तानी एक्सपोर्ट 538.6 मिलियन के इंपोर्ट के मुकाबले 1.06 बिलियन तक पहुंच गया। ऑफिशियल आंकड़े 2024-25 में एक और खास डेवलपमेंट दिखाते हैं। अफगानिस्तान को पाकिस्तानी एक्सपोर्ट बढ़कर लगभग 1.34 बिलियन हो गया, जबकि रिकॉर्डेड इंपोर्ट घटकर सिर्फ़ 37.9 मिलियन रह गया, जिससे 1.3 बिलियन से ज़्यादा का रिपोर्टेड सरप्लस हुआ। हालांकि, इंपोर्ट में इस बहुत बड़ी गिरावट को ध्यान से देखना चाहिए क्योंकि कस्टम क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन के तरीकों, इनफॉर्मल ट्रेड और रिपोर्टिंग के लिए इस्तेमाल किए गए समय में अंतर के कारण पाकिस्तानी और अफगान ट्रेड के आंकड़े अलग-अलग हो सकते हैं। ये आंकड़े पाकिस्तान की मज़बूत एक्सपोर्ट स्थिति दिखाते हैं, लेकिन इस ट्रेड से होने वाले असल आर्थिक फायदे या प्रॉफिट को कैलकुलेट करने के लिए सिर्फ़ इनका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का एक्सपोर्ट रिश्ता काफी हद तक प्रोडक्ट्स की एक बड़ी रेंज के आस-पास बना था। पाकिस्तानी बिजनेस से सप्लाई होने वाले सामान में चावल, फल और सब्ज़ियां, दवाइयां, खाने का सामान, सीमेंट, प्लास्टिक, मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर, चीनी और रबर के प्रोडक्ट शामिल थे। इस बीच, अफ़गान व्यापारियों ने पाकिस्तान को अंगूर, सेब, प्याज, टमाटर, सूखे मेवे और दाल जैसे खेती के प्रोडक्ट के साथ-साथ कोयला, कपास और लेड जैसी चीज़ें भी सप्लाई कीं। इसलिए इस रिश्ते ने पाकिस्तानी बनाने वालों और किसानों को अफगान ग्राहकों से जोड़ा, साथ ही अफगान बनाने वालों को उनके सबसे करीबी बड़े बाजारों में से एक तक पहुंच दी। यह कमर्शियल रिश्ता राजनीतिक और सुरक्षा तनावों से तेज़ी से प्रभावित हुआ है। सबसे बड़ी रुकावट अक्टूबर 2025 में आई, जब पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान ने सुरक्षा तनाव बढ़ने के बाद बड़े क्रॉसिंग पॉइंट बंद कर दिए। पाकिस्तान की सरकार ने बताया कि तोरखम और चमन में सैकड़ों गाड़ियां फंसी हुई थीं, जिनमें बॉर्डर पार करने का इंतजार कर रहे ट्रांजिट कार्गो भी शामिल थे। तोरखम में, लगभग 255 एक्सपोर्ट गाड़ियां टर्मिनल के अंदर थीं और दूसरी 200 गाड़ियां कथित तौर पर जमरूद-लांडी कोटल रोड पर फँसी हुई थीं, जबकि चमन में कस्टम क्लियरेंस रोक दिया गया था।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता



माउंट माउंगानुई । भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 के बाद वनडे सीरीज भी अपने नाम कर ली है। भारत ने माउंट मोंगानुई में खेले गए इस मैच में 22 रनों से जीत दर्ज की। भारत ने न्यूजीलैंड को 210 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन कीवी टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। भारत ने वनडे सीरीज के पांचवें और निर्णायक मुकाबले में न्यूजीलैंड को 22 रन से हराकर सीरीज 3-1 से अपने नाम की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। इसके जवाब में 210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 187 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ ही भारत ने कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। बे ओवल में खेले गए सीरीज के इस अंतिम मैच में भारतीय टीम 42.1 ओवरों में 209 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया के लिए अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन की पारियां खेलीं। कीवी खेमे से जैकब डफी और मिचेल सैंटनर ने 3-3 विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.1 ओवरों में 187 के स्कोर पर सिमट गई। मेजबान टीम से डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह के नाम सर्वाधिक 3 विकेट रहे। इस मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड ने मिलकर कुल 396 रन बनाए। खास बात यह रही कि दोनों टीमों की ओर से कोई भी बल्लेबाज 50 रन का आंकड़ा नहीं छू सका। न्यूजीलैंड में खेले गए पुरुष वनडे मुकाबलों में यह बिना किसी अर्धशतक के बना सबसे बड़ा कुल स्कोर है। इससे पहले 1981 में हैमिल्टन में भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले में कुल 363 रन बने थे। बिना किसी बल्लेबाज के अर्धशतक लगाए दोनों टीमों का 396 रन का कुल स्कोर वनडे क्रिकेट इतिहास में इस तरह का 13वां सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं, भारत से जुड़े मुकाबलों में यह अब तक का सबसे बड़ा कुल स्कोर बन गया है। विराट कोहली एकमात्र भारतीय रहे जिसने वनडे सीरीज में 50+ स्कोर बनाया।

भारत ने कब-कब किया कम स्कोर का बचाव

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में 210 रन के स्कोर का बचाव किया। दोनों टीमों के बीच वनडे इतिहास में इससे कम स्कोर का बचाव भारत ने केवल दो बार किया है। इस सूची में 1980 में पर्थ में 163 रन और 1986 में लॉनसेस्टन में 190 रन (संशोधित लक्ष्य) का बचाव शामिल है। वहीं, 2026 में माउंट मोंगानुई में 210 रन का बचाव इस सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने साल 2015 के बाद वनडे क्रिकेट में तीसरी बार 225 रन से कम के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। इससे पहले टीम ने एशिया कप 2023 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ 213 रन के स्कोर बचाया था। वहीं, 2019 वनडे विश्व कप में साउथेम्प्टन में अफगानिस्तान के खिलाफ 224 रन का बचाव किया था।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता



भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया। एक घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य का यह लगातार दूसरा हालांकि वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे दो हफ्ते पहले उन्होंने जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीता था।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-10 को हराया था

फाइनल से पहले शनिवार को लक्ष्य ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-10 अलवी फरहान को हराया था। तीन गेम तक चले मुकाबले में उन्होंने 21-12, 15-21, 21-11 से जीत दर्ज की थी।

खराब फॉर्म से उबरकर दो हफ्ते में जीते दो खिताब लक्ष्य सेन के लिए हायलो ओपन से पहले का समय चुनौतीपूर्ण रहा था। वे लगातार 6 टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से वे किसी बड़े खिताब का इंतजार कर रहे थे।नवंबर की शुरुआत में उन्होंने हायलो ओपन के फाइनल में जोनाथन क्रिस्टी को हराकर खिताबी सूखा खत्म किया।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी

घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कोकी वातानाबे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपनी रणनीति बदली और लंबी रैलियों के जरिए मुकाबले में वापसी की। कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने यह गेम 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

स्वितोलिना और एंड्रीवा के बीच डब्ल्यूटीए फाइनल्स में होगा खिताबी मुकाबला



इंडियनवेल्स। यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना और रुस की मिर्रा एंड्रीवा के बीच यहां डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स 2026 का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले हुए सेमीफाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले आसानी से जीते। 32 साल की स्वितोलिना ने पहले सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा अंदाज में हराया। केवल 65 मिनट चले इस मुकाबले में स्वितोलिना ने 6-2, 6-1 से सीधे सेटों में जीत हासिल की। शुरुआत से ही उन्होंने कोर्ट पर अपनी पकड़ बनाए रखी और नोस्कोवा को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया, जिससे उनकी जीत पक्की हो गयी। स्वितोलिना ने शानदार फोरहैंड और सटीक सर्विस के बल पर पूरे मैच में अपनी विरोधी पर दबाव बनाए रखा।

वहीं दूसरी ओर 19 साल की युवा एंड्रीवा ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए । अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनायी। इस साल की फ्रेंच ओपन विजेता एंड्रीवा का प्रयास अब एक और खिताब जीतना रहेगा। फाइनल में पहुंचकर 32 वर्षीय स्वितोलिना ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अतिरिक्त, वह 32 साल की उम्र के बाद इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले केवल मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स जैसी दिग्गज ही यह उपलब्धि हासिल कर पाई हैं, जो स्वितोलिना की शानदार वापसी और निरंतरता को दर्शाता है। वहीं अब सबकी नजरें इन दोनो के बीच होने वाले खिताबी मुकाबले पर लगी हैं।

वैभव ने अंडर-19 एशिया कप में जीत पर भारतीय टीम को बधाई दी



नई दिल्ली। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम की जीत पर खुशी जताते हुए उसे बधाई दी है। वैभव ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया को बधाई देते हुए, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए आर्यवीर सहवाग के लिए भी एक खास पोस्ट साझा किया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। इस पूरे मुकाबले में कांटे की टक्कर देखने को मिली पर भारतीय टीम ने अंतिम गेंद पर जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। जीत के इस जश्न के बीच वैभव आर्यवीर सहवाग की जमकर प्रशंसा की। आर्यवीर को अंडर-19 एशिया कप 2026 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। वैभव ने आर्यवीर के लिए विशेष संदेश लिखते हुए उन्हें स्टार बॉय, आर्यवीर सहवाग कहकर संबोधित किया। उनका यह पोस्ट क्रिकेट प्रशंसकों के बीच तेजी से फैल गया और युवा प्रतिभाओं के बीच आपसी सम्मान को भी दिखाता है।

न्यूजीलैंड ने मैत्री फुटबॉल मुकाबले में भारतीय टीम को 3-0 से हराया



क्राइस्टचर्च । मेजबान न्यूजीलैंड ने यहां खेले गये एक मैत्री मुकाबले में भारतीय फुटबॉल टीम को 3-0 से हरा दिया। पड़ी। इस मैच में भारतीय टीम लय में नहीं दिखी और पूरे समय मेजबान टीम हावी रही। भारतीय रक्षापंक्ति का कमजोर प्रदर्शन भी उसकी हार का कारण रहा। भारतीय टीम इस मैच में एक भी गोल नहीं कर पायी। मैच की शुरुआत में भारतीय टीम ने कुछ हद तक मेजबान टीम को रोका पर कुछ समके बाद कीवी खिलाड़ियों को गेंद पर नियंत्रण हो गया। मैच के 22वें मिनट में मेजबान टीम ने पहला गोल कर बढ़त हासिल की। फिन सुरमन ने एक कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाया। आकाश मिश्रा से टकराकर गोलपोस्ट में चला गया। इस आत्मघाती गोल से मेजबानों को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गयी।

एक गोल होने दागने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी ऊपर पहुंच गया और उन्होंने भारतीय रक्षा पंक्त पर दबाव बना दिया। 40वें मिनट में न्यूजीलैंड ने एक और गोल कर अपनी बढ़त 2-0 कर दी, जेम्स मैकगैरी ने एक जोरदार और सटीक शॉट लगाकर ये गोल किया। इससे स्कोर 2-0 हो गया। पहले हाफ के खत्म होने से ठीक पहले, कप्तान क्रिस वुड ने जेसी रैंडल से मिले एक शानदार पास पर गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम हावी हो गयी। वहीं दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक रणनीति में सुधार करते हुए न्यूजीलैंड के आक्रमण को मजबूती से रोका जिसके परिणामस्वरूप इस हाफ में मेजबान टीम कोई अतिरिक्त गोल नहीं कर सकी। हालांकि, भारतीय टीम के आक्रामक खेल में अपेक्षित तीव्रता और तालमेल की कमी साफ दिखाई दे रही थी। टीम ने गोल करने के कुछ मौके जरूर बनाए पर वह न्यूजीलैंड की मजबूत रक्षापंक्ति को नहीं भेद पायी।

पीएम मोदी से मिले क्रिकेटर रिंकू सिंह परिवार संग दिया शादी का न्यौता



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह जल्द ही समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। शादी की तैयारियों के बीच रिंकू सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें विवाह समारोह का निमंत्रण देकर उनका आशीर्वाद लिया। इस खास मौके पर रिंकू अपने परिवार के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। रिंकू सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा कर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिलना, उन्हें शादी में आमंत्रित करना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए बेहद सम्मान की बात है। रिंकू ने इस मुलाकात को अपने परिवार के लिए एक खास पल बताया। इस दौरान वह साधारण टी-शर्ट और पैंट पहने नजर आए। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी 4 दिसंबर को लखनऊ में होने वाली है। दोनों परिवारों में विवाह समारोह को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी से पहले रिंकू के परिवार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू की मां बीना देवी, भाई सोनू सिंह और बहन नेहा सिंह ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर उन्हें व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण कार्ड सौंपा था। जानकारी के मुताबिक, रिंकू और प्रिया की शादी लखनऊ के रामाडा होटल में होगी। इस समारोह में क्रिकेट और राजनीति जगत की कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। बता दें कि दोनों की सगाई 8 जून 2025 को लखनऊ के द सेंट्रम होटल में हुई थी। अब करीब डेढ़ साल बाद यह जोड़ा विवाह के बंधन में बंधने जा रहा है।

गिसो रबाडा का कमाल, 5 विकेट लेकर मखाया एंटिनी के रिकॉर्ड की बराबरी की



कगिसो रबाडा ने बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में 5 विकेट लेकर टेस्ट करियर में 18वीं बार यह उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने मखाया एंटिनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला जोहान्सबर्ग में खेला जा रहा है। इस मैच में साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पहली पारी में 5 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही रबाडा टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा 18वीं बार करने वाले साउथ अफ्रीका के तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस उपलब्धि के साथ मखाया एंटिनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। एंटिनी ने भी टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा 18 बार किया था।

डेल स्टेन हैं शीर्ष पर

साउथ अफ्रीका की ओर से टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वाधिक बार 5 या उससे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड डेल स्टेन के नाम है। उन्होंने साउथ अफ्रीका के लिए 26 बार यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं, दिग्गज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने 20 बार एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट चटकाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट की एक इनिंग में सर्वाधिक 5 या उससे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड

कगिसो रबाडा ने दिए 5 झटके, बांग्लादेश ने दिखाया जुझारूपन पहले टेस्ट मैच के पहले दिन तीसरे सत्र तक बांग्लादेश ने पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 245 रन बना लिए थे। उसके सभी पांचों विकेट साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने झटके। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।



ओस्लो में सैंडी बाल्टीमोर गोल करने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाते हुए।

इंग्लैंड की जीत में चमके टॉम बैंटन और गस एटकिंसन, ऑस्ट्रेलिया को 135 रनों से हराया



एडिलेड ओवल। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को एडिलेड ओवल में तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 135 रन से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 355 रन बनाए। इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 44.3 ओवर में 220 रन पर ही सिमट गई। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज का तीसरा और निर्णायक वनडे मुकाबला 18 नवंबर को होबार्ट में खेला जाएगा। टॉम बैंटन ने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने महज 19 रन के स्कोर पर बेन डकेट का विकेट गंवा दिया। डकेट 20 गेंदों में 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टॉम बैंटन ने जो रूट के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को कूपर कोनोली ने तोड़ा। जो रूट अर्धशतक लगाने के बाद 27.3वें ओवर में आउट हुए। उन्होंने 68 गेंदों का सामना करते हुए 62 रन बनाए। रूट के आउट होने के बाद टॉम बैंटन ने एक छोर संभाले रखा और हैरी ब्रूक तथा जॉर्डन कॉक्स के साथ साझेदारियां कीं। बैंटन ने टीम के स्कोर को 212 रन तक पहुंचाया। वह 99 गेंदों में 121 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में उन्होंने 12 चौके और 4 छक्के लगाए। इसके बाद विल जैक्स ने इंग्लैंड की पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने जॉर्डन कॉक्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 70 गेंदों में 102 रन की साझेदारी की और टीम का स्कोर 314 रन तक पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मैट रेनेशॉ और कैमरून ग्रीन ने लगाए अर्धशतक

इंग्लैंड से मिले 356 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने महज 13 रन के स्कोर पर ट्रेविस हेड (7), कूपर कोनोली (0) और कप्तान मिचेल मार्श (2) के विकेट गंवा दिए। इसके बाद 29 रन के स्कोर पर जोश इंगलिस (3) भी आउट हो गए। इसके बाद कैमरून ग्रीन और मैट रेनेशॉ ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 5वें विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी की। मैट रेनेशॉ 74 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 63 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कैमरून ग्रीन ने जैक एडवर्ड्स के साथ छठे विकेट के लिए 49 गेंदों में 42 रन जोड़े। जैक एडवर्ड्स 17 रन बनाकर आउट हुए। कैमरून ग्रीन एक छोर पर टिके रहे। उन्होंने जेवियर बार्टलेट और एडम जंपा के साथ भी साझेदारी करने का प्रयास किया, लेकिन 2 छक्कों की मदद से 64 रन बनाने के बाद वह आउट हो गए।

धान खरीदी की अव्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस की चेतावनी रैली, किसानों का एक-एक दाना खरीदने की मांग





मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। जिले में धान खरीदी के दौरान किसानों को हो रही प्रशासनिक एवं तकनीकी परेशानियों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में एक दिवसीय चेतावनी रैली निकाली गई। जांजगीर में मदनलाल अग्रवाल के पुराने पेट्रोल पंप, चांपा रोड से प्रारंभ हुई इस रैली में जिलेभर से कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।रैली के माध्यम से कांग्रेस ने जबरन रकबा समर्पण कराने, रकबा संशोधन में देरी, बचत धान के भौतिक सत्यापन के नाम पर किसानों को परेशान करने, एग्रिस्टेक पंजीयन की जटिलताओं, पीवी एप्लिकेशन की समस्याओं तथा भुइयां पोर्टल की विभागीय त्रुटियों को तत्काल दूर करने की मांग उठाई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि सरकार को किसानों की उपज का एक-एक दाना खरीदना होगा। पोर्टल की तकनीकी खामियों और धान खरीदी की अव्यवस्थाओं का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी।विधायक व्यास कश्यप ने कहा कि एग्रिस्टेक पंजीयन और पीवी एप्लिकेशन जैसी तकनीकी उलझनों ने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शासन-प्रशासन को जमीनी स्तर पर शिविर लगाकर इन समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए। विधायक बालेश्वर साहू ने कहा कि रकबा संशोधन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण नहीं होने से किसानों में भारी आक्रोश है। यदि प्रशासन ने समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया, तो यह चेतावनी रैली आने वाले समय में बड़े जनआंदोलन का रूप लेगी।कार्यक्रम को पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं मंजू सिंह, जिला उपाध्यक्ष रमेश पैगवार, जिला महामंत्री नागेन्द्र गुप्ता और किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमल साव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन रफीक सिद्दीकी ने किया।इस दौरान संदीप अग्रवाल, जिला महामंत्री शिशिर द्विवेदी, भगवान दास गढ़ेवाल, माधुरी आदित्य, किशन सोनी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, उत्तम पाटले, कन्हैया राठौर, ब्लॉक अध्यक्षगण रामबिलास राठौर, रविन्द्र शर्मा, महेश्वर टंडन, सदन यादव, गौरव सिंह, जितेंद्र वर्मा, विजय प्रकाश तिवारी, भविष्य चंद्राकर, सीमा शर्मा, पुरनेंद्र सिंह, रामलाल यादव, प्रिंस शर्मा, शाश्वत धर दीवान, पंकज शुक्ला, अंकित सिसोदिया, नेहा केसरवानी, शंकुतला खरे, हरीश पाण्डेय, तमेंद्र देवांगन, दुर्गा कुर्रे, पुरुषोत्तम देवांगन, गौतम राठौर सहित जिले के विभिन्न ब्लॉक अध्यक्ष, कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

शराब बिक्री के आरोपियों को पैसे लेकर छोड़ने का मामला : 6 पुलिसकर्मी निलंबित



मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। सारागांव थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के आरोपियों को कथित तौर पर पैसे लेकर छोड़ने के मामले में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (ढ्ढक्र) ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले की जांच में प्रथम दृष्टया आरोप प्रमाणित पाए जाने पर प्रशिक्षु उप निरीक्षक सहित छह पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, मामले की आगे की जांच की जिम्मेदारी नगर पुलिस अधीक्षक जांजगीर योगिताबाली खापर्डे को सौंपी गई है।दरअसल, 11 नवंबर को दैनिक समाचार पत्र में '1.5 लाख लेकर शराब के आरोपियों को छोड़ा' शीर्षक से प्रकाशित खबर को पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से लेते हुए नगर पुलिस अधीक्षक जांजगीर से जांच कराई थी। जांच के दौरान सामने आया कि 4 नवंबर को आबकारी अधिनियम की धारा 36(च) के तहत दर्ज प्रकरण में आरोपी गोपाल से सारागांव थाने में पदस्थ पुलिसकर्मियों द्वारा कथित रूप से रकम का लेन-देन किया गया था। जांच में प्रथम दृष्ट्या आरोप प्रमाणित पाए जाने पर एसपी ने प्रशिक्षु उप निरीक्षक पुष्पेन्द्र साहू, प्रधान आरक्षक अर्जुन जांगड़े तथा आरक्षक दीपक सिंह, शंकर जयकिशन, सुनील रमन और गोवर्धन टाईगर को निलंबित कर दिया।

नगर पंचायत मारो की मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 20 नवंबर तक कर सकेंगे आवेदन

मूक पत्रिका

बेमेतरा 16 नवंबर 2026/- राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका निर्वाचन के लिए निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। इसके तहत प्रपत्र प्रारूप क-1 में आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 नवंबर 2026 कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि जिले के नगर पंचायत मारो में आम निर्वाचन के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करने की प्रक्रिया जारी है।

आयोग द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावा-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 19 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। इस तिथि तक जिन मतदाताओं ने विधानसभा निर्वाचक नामावली में अपना नाम दर्ज करा लिया है, वे अब 20 नवंबर 2026 तक प्रपत्र क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रपत्र क-1 में प्राप्त दावों के निराकरण की अंतिम तिथि 23 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। वहीं, दावा-आपत्तियों के निराकरण से संबंधित आदेश के विरुद्ध अपील करने की समय-सीमा आदेश पारित होने के पांच दिवस के भीतर निर्धारित की गई है। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 30 नवंबर 2026 को किया जाएगा।

आयोग के निर्देशानुसार पूर्व में प्रपत्र क-1 के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर चुके ऐसे आवेदक, जिनके आवेदन के साथ विधानसभा निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज होने संबंधी आदेश अथवा ईपीआईसी (श्वक्कृष्ट) नंबर संलग्न नहीं था, वे भी संबंधित दस्तावेज जमा कर सकते हैं। इससे पात्र मतदाताओं का नाम नगर पंचायत मारो की निर्वाचक नामावली में दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी।

अतः नगर पंचायत मारो के ऐसे सभी पात्र मतदाता, जिन्होंने विधानसभा निर्वाचक नामावली में अपना नाम दर्ज करा लिया है, वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत कर निर्वाचक नामावली में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

समर्थन मूल्य पर धान बेचने पहुंचे किसानों का फूल-माला पहनाकर किया स्वागत, तुंहर टोकन ऐप से घर बैठे टोकन की सुविधा

अम्बिकापुर। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 के तहत सरगुजा जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य तेजी से जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को लखनपुर विकासखंड के जमगला स्थित आदिमजाति सहकारी सेवा समिति के धान खरीदी केंद्र में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विधिवत धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में उन्होंने किसानों का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और उनसे बातचीत कर धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जमगला धान खरीदी केंद्र में कुल 1,439 किसान पंजीकृत हैं। इन सभी किसानों को शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने का लाभ मिलेगा। खरीदी केंद्र में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना और धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरल बनाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और समिति प्रबंधन को निर्देश दिए कि खरीदी केंद्र में आने वाले किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएं। साथ ही धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया शासन के निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी ढंग से संचालित की जाए।धान खरीदी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए इस वर्ष डिजिटल व्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया गया है। किसान 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं। इससे किसानों को समिति कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने और लंबी कतारों में इंतजार करने की परेशानी से राहत मिल रही है। धान खरीदी के शुभारंभ अवसर पर किसानों और जनप्रतिनिधियों ने शासन की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में संबंधित विभागीय अधिकारी, समिति प्रबंधन के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सैमसंग की एआई वॉशिंग मशीन : आधुनिक घरों के लिए समझदारी भरा विकल्प



गुरुग्राम: सर्दियां आते ही अलमारी से गर्म स्वेटर, भारी जैकेट, कंबल और चादरें निकल आती हैं, जिन्हें धोते समय ज्यादा देखभाल चाहिए। अलग-अलग कपड़ों के लिए अलग-अलग वॉश सेटिंग की जरूरत होती है, इसलिए कपड़े धोना जल्दी ही समय खाने वाला काम बन सकता है। सैमसंग WW12DB8B54GBTLअपने एआई वॉश, ऑटो डिस्पेंस और एआई कंट्रोल फीचर के साथ कपड़े धोते समय अंदाजा लगाने की जरूरत खत्म कर देती है और वॉश साइकिल के हर कदम को समझदारी से सरल बनाती है। कपड़े धोने को ज्यादा स्मार्ट, आसान और कारगर बनाने के लिए तैयार की गई यह मशीन पक्का करती है कि आपके सर्दियों के जरूरी कपड़ों को सही देखभाल मिले और आपको मौसम का मजा लेने के लिए ज्यादा समय मिले।

सैमसंग WW12DB8B54GBTL को कपड़े धोने के आपके रोज के काम को हर तरह से आसान और बेहतर बनाने के लिए तैयार किया गया है। जो परिवार एआई की सुविधा, कारगर धुलाई और टिकाऊपन का मेल चाहते हैं, उनके लिए एआई वॉशिंग मशीनों में यह मॉडल अपनी अलग पहचान रखता है।

एआई वॉश टेक्नोलॉजी: यह फीचर हर लोड का वजन, कपड़े की नरमी और गंदगी का स्तर भांपता है, और उसी हिसाब से पानी, डिटर्जेंट, भिगोने, खंगालने और स्पिन की सेटिंग तय करता है।

कुसमी में 4 चेकपोस्टों से अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की पैनी नजर, यूपी से धान ला रहे 4 पिकअप जब्त

बलरामपुर जिले में अवैध धान परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, कुसमी क्षेत्र में भी सीमावर्ती मार्गों पर निगरानी तेज

मूक पत्रिका



दुर्गेश गुप्ता - कुसमी/बलरामपुर, 16 नवंबर। धान खरीदी सीजन में दूसरे राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर खपाने वालों के खिलाफजिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से धान लेकर आ रहे चार पिकअप वाहनों को पकड़कर जब्त किया गया है।

सभी वाहनों को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए थाना सनावल के सुपुर्द किया गया है।कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर बलरामपुर जिले में अवैध धान परिवहन रोकने के लिए 24 चेकपोस्ट बनाए गए हैं। इनमें कुसमी विकासखंड में 4 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इन चेकपोस्टों के माध्यम से दूसरे राज्यों से आने-जाने वाले संदिग्ध वाहनों पर निगरानी रखी जा रही है।कुसमी क्षेत्र में भी धान खरीदी के दौरान अवैध परिवहन रोकना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है।

जिला एवं तहसील स्तरीय उड़नदस्ता दल चेकपोस्टों पर तैनात अमले के साथ लगातार निगरानी कर रहे हैं। संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही है।प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अवैध रूप से धान का परिवहन करने वालों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। अब सवाल यह है कि कुसमी क्षेत्र के चारों चेकपोस्टों पर निगरानी कितनी प्रभावी है और धान खरीदी सीजन में अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन आगे क्या कदम उठाता है?

रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण को लेकर जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक संपन्न

मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा ब्यास कश्यप, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, विधायक जैजैपुर बालेश्वर साहू, पूर्व विधायक केशव चन्द्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, आशुतोष गोस्वामी, कन्हैया राठौर, दुष्यंत सिंह, संदीप तिवारी, शिव तिवारी,शैलेन्द्र पांडेय, कार्यपालन अभियंता हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर शंशाक सिंह, उप संचालक कृषि राकेश शर्मा, कृषकगण सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। समिति के सचिव कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर द्वारा बांध में 78 प्रतिशत उपलब्ध जलभराव की जानकारी से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि



बैठक में हसदेव दांयी तट एवं बांयी तट प्रणाली में 05 जनवरी 2027 से 20 अप्रैल 2027 तक कृषकों के मांग के अनुरूप पानी प्रवाहित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही संबंधित अभियंताओं को निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण कराने के कहा गया है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कृषि, सहकारी बैंक, मार्कफेड, बीज निगम में अधिकारियों को खाद बीज एवं कीटनाशक की आवश्यकता का तत्काल आंकलन कर आवश्यकता के अनुरूप भंडारण करने तथा समय पर किसानों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने बांध में जल उपलब्धता एवं नहरों की स्थिति के अनुरूप मैदानी अमलों को कृषको के साथ संयुक्त रूप से चर्चा कर रबी क्षेत्र का निर्धारण करने के निर्देश दिये गये है।

भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और बलिदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा - सांसद जांगड़े





मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा।भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आज लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े के मुख्य आतिथ्य में बलौदा विकासखंड के ग्राम देवरी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई।इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष बलौदा श्रीमती शारदा सनत देवांगन, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती उर्मिला निर्मल बिंझवार, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार पोयाम, जनजातीय समाज के प्रमुख मनमोहन सिंह गोंड़, बी एस सिदार, श्रीमति विजय कुंवर मरकाम, राजेन्द्र कंवर, हरेंद्र कंवर, श्रीमती गंगोत्री कंवर, लखन सिंह कंवर सहित जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में जांजगीर-चांपा लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने जनजातीय गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के महानायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आज हम सभी यहाँ एकत्रित हुए हैं। यह दिन उनके अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारे माटी के वीरों ने देश, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए जो वीरतापूर्ण संघर्ष किया, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। देश की आजादी की लड़ाई में भगवान बिरसा मुंडा का अमूल्य योगदान रहा है। भगवान बिरसा मुंडा हमारे गौरवशाली इतिहास के महानायक हैं। उन्होंने झारखंड की धरती से जनजातीय समाज का नेतृत्व करते हुए स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।